Email: etawahexpress24@gmail.com Web: www.etawahexpress.com

इटावा एक्सप्रेस

आर.एन.आई शीर्षक कोड UPHIN50151, इटावा,उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

वर्ष 2	अंक 21	इटावा 23 नवम्बर 2024 दिन शनिवार	हिन्दी साप्ताहिक	रुपए 2	पृष्ठ 8

वन दरोगा नियुक्ति पत्र वितरण

सिपाही भर्ती में भी 20 प्रतिशत महिलाकर्मियों की होगी भर्ती:सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 701 वन दरोगाओं को नियुक्त पत्र वितरित किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण के क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों का भी जिक्र किया।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में 701 वन दरोगाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने कहा कि इन वन दरोगाओं में से 140 महिला अभ्यर्थी हैं। मुख्यमंत्री योगी ने सभी को बधाई और शुभकामनाएं दी।इस दौरान प्रदेश सरकार की तरफ से पर्यावरण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यक्रमों का भी वर्णन किया। मुख्यमंत्री योगी ने वन दरोगाओं से कहा कि इस समय पूरी दुनिया पर्यावरण को लेकर चिंतित है। हाल ये है कि कई शहरों में प्रदूषण के कारण स्कूल-कॉलेज तक बंद करने पड़ रहे हैं। ऐसे समय में आप सभी लोगों को जागरुक करके समाज और देश के लिए योगदान कर सकते हैं। इसके लिए अपने क्षेत्र में नए प्रयोग करें और अपने विभाग को सर्वोत्तम बनाने का प्रयास करें। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद हमने सभी बोर्ड और आयोगों को निर्देश दिया था कि भर्ती प्रक्रिया बिना किसी खोट के हो और कहीं भी गड़बड़ी होने पर जवाबदेही सुनिश्चित हो। यही कारण है कि परीक्षा पूरी होकर नियुक्ति पत्र वितरित हो रहे हैं। पहले यूपी में भर्ती निकलती थी और महाभारत के रिश्ते टपक पड़ते थे। हमने कहा कि भर्ती में किसी के साथ ही भेदभाव नहीं कया जाएगा। इसका परिणाम अब दिख रहा है। अभी कल (बृहस्पतिवार को) ही पुलिस भर्ती की लिखित परीक्षा का परिणाम जारी हुआ है। आगे के प्रक्रिया पूरी करने के बाद 60 हजार पदों पर पुलिस की भर्ती की जाएगी जिसमें 20 प्रतिशत संख्या महिलाकर्मियों की होगी। हमने बीते साढ़े सात वर्षों में पारदर्शी और शुचितापूर्ण भर्ती की। जब भर्ती इतनी पारदर्शी और शुचिता के साथ सम्पन्न हो रही है तो राज्य की भी अपेक्षाएं आपसे हैं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आमतौर पर होता है कि सरकारी कर्मचारी जनता से दूरी बना लेते हैं। वो जनता से संवाद नहीं करते हैं पर जनता से संवाद कर लोगों को जागरुक करने की आवश्यकता है। लोगों को बताएं कि प्लास्टिक का प्रयोग न करें। लोग प्लास्टिक का उपयोग करके उसे खेतों में और अलग-अलग जगह फेंक देते हैं जिसका दुष्परिणाम पर्यावरण के में क्षय के रूप में आम जनता को ही भुगतना पड़ता है। आप सभी मिलकर जनता को जागरुक करें और अपने विभाग को सर्वोत्तम बनाएं।

नागरिकों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पैदा करना जरूरी: राष्ट्रपति

हैदराबाद। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा है कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए नागरिकों में 'राष्ट्र प्रथम' की भावना पैदा करना आवश्यक है। मुर्मू ने शुक्रवार को हैदराबाद में संस्कृतिक उत्सव लोकमंथन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं और विरासत में एकता के धागे को मजबूत करने का यह एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी नागरिकों को भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को समझना चाहिए और हमारी अमूल्य परंपराओं को मजबूत करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा ,ह्न विविधता हमारी मौलिक एकता को सुंदरता का इंद्रधनुष प्रदान करती है। चाहे हम वनवासी हों, ग्रामीण हों, नगरवासी हों, हम सभी भारतीय हैं। राष्ट्रीय एकता की यही भावना तमाम चुनौतियों के बावजूद हमें एकजुट रखे हुए है। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज को बांटने और कमजोर करने की कोशिशें सदियों से होती रही हैं। देश की एकता को तोड़ने के लिए कृत्रिम भेद पैदा किये गये हैं, लेकिन, भारतीयता की भावना से ओत-प्रोत नागरिकों ने राष्ट्रीय एकता की मशाल जला रखी है। राष्ट्रपति ने कहा कि प्राचीन काल से ही भारतीय विचारधारा का प्रभाव दुनिया में दूर-दूर तक फैला हुआ है। भारत की धार्मिक मान्यताएँ, कला, संगीत, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा प्रणालियाँ, भाषा और साहित्य की सराहना पूरे विश्व में की गई है। भारतीय दार्शनिक प्रणालियाँ सबसे पहले विश्व समुदाय को आदर्श जीवन मूल्यों का उपहार देने वाली थीं। पूर्वजों की उस गौरवशाली परंपरा को मजबूत करना हमारा दायित्व है। राष्ट्रपति ने कहा कि सदियों से साम्राज्यवाद और औपनिवेशिक शक्तियों ने न केवल भारत का आर्थिक शोषण किया, बल्कि हमारे सामाजिक ताने-बाने को भी नष्ट करने का प्रयास किया।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में एमवीए 160 से 165 सीटें जीतेगी : संजय राउत

महाराष्ट्र । महायुति गठबंधन जहां सत्ता बरकरार रखने के लिए दृढ़ संकल्प है, वहीं विपक्षी एमवीए गठबंधन राज्य में 2024 के लोकसभा चुनावों में अपने अच्छे प्रदर्शन को विधानसभा चुनाव में भी दोहराने की उम्मीद कर रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के एक दिन बाद, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि विपक्षी महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन कुल 288 में से 160 से 165 सीटें जीतेगा और राज्य में एक स्थिर सरकार प्रदान करेगा। राज्यसभा सदस्य राउत ने यह भी कहा कि एमवीए नेता शनिवार को होने वाली मतगणना से पहले बृहस्पतिवार को बैठक करेंगे। बुधवार को मतदान समाप्त होने के बाद ज्यादातर एग्जिट पोल ने महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन की जीत का अनुमान जताया, जबकि कुछ ने पश्चिमी राज्य में एमवीए गठबंधन को बढ़त दी। राउत ने संवाददाताओं से कहा, हम और हमारे सहयोगी, जिनमें पीडब्ल्यूपी, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल जैसे छोटे दल शामिल हैं, बहुमत का आंकड़ा पार कर रहे हैं। हम 160-165 सीटें जीत रहे हैं। राज्य में एक स्थिर सरकार होगी। मैं यह बहुत विश्वास के साथ कह सकता हूं। एमवीए में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी), कांग्रेस और शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शप) शामिल हैं।

मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर जनता को विश्वास; फिर दोहराया 'बटेंगे तो कटेंगे': सीएम

लखनऊ। यूपी उपचुनाव में मिली जीत के बाद भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ कुछ देर में पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। इससे पहले भाजपा कार्यालय में पहुंचने पर प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य व उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने सीएम का स्वागत किया। सीएम योगी ने कहा कि नौ में से सात सीटों पर जीत का श्रेय पीएम मोदी को जाता है। पीएम पर लोगों को अटूट विश्वास है। ये जीत उसी का प्रमाण है। हम सब जनता का आभार व्यक्त करते हैं। सपा और इंडी की लूट और झूठ की राजनीति की समाप्ति की शुरूआत का ये परिणाम है। मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर जनता को विश्वास कहा कि जो जनादेश महाराष्ट्र में मिला, ये राम और राष्ट्र के आराधक नए भारत की जीत है। आंबेडकर का अपमान करने वालों की पराजय है। आज फिर से स्पष्ट हुआ है कि देश की जनता को मोदी की नीति, नीयत और निर्णय पर अटूट विश्वास है। तुष्टिकरण और सांप्रदायिकता के शॉर्टकट से सरकार बनाने का सपना देख रहे इंडी गठबंधन की ये पराजय है। सीसामाऊ के चुनाव को रद्द कराना चाहती थी सपा यूपी उपचुनाव के बारे में सपा ने मतदान के दिन से जो प्रलाप किया, उस पर जनता ने जो जवाब दिया है, कुंदरकी उसका उदाहरण है। सपा की जमानत जब्त होने वाली है। सपा सीसामाऊ के चुनाव को रद्द कराना चाहती थी। अब सिर्फ आठ हजार से जीत पाए हैं। करहल में सपा सिर्फ 14 हजार वोट से जीती है। जो केशव मौर्य ने कहा है उस ओर हम बढ़ रहे हैं। बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे सीएम ने दोहराया बटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे। ये देश की जनता ने माना है।

इटावा जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में दिए गए शक्त निर्देश

इटावा जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में की गई इटावा सड़क सुरक्षा समिति बैठक में उन्होंने सर्वप्रथम निर्देशित करते हुए कहा कि परिवहन विभाग,यातायात विभाग द्वारा संयुक्त रोस्टर बनाकर चेकिंग की जाए एवं इसकी रिपोर्ट समिति को प्रतिदिन अवश्य उपलब्ध कराई जाए । उन्होंने बताया कि जहां पर डिवाइडर शुरू होते हैं वहां पर साइन बोर्ड अवश्य लगाया जाए । उन्होंने कहा कि उदी से चकरनगर मोड पर साइन बोर्ड अवश्य लगाया जाए जिससे किसी भी प्रकार की कोई दुर्घटना ना हो । महोदय द्वारा नेशनल हाईवे 19 के संबंधित अधिकारी अनुपस्थित पाए जाने पर कारण बताओं नोटिस जारी किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि नेशनल हाईवे के दोनों तरफ ब्लैक स्पॉट अवश्य लगाया जाए एवं जहां से वाहन चढ़ते हैं वहां पर चेतावनी बोर्ड लगाये जाए जिससे वाहन धीमी गति से चल सकें। उन्होंने नेशनल हाईवे 2 एवं संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि रोड सेफ्टी का ग्रुप बनाकर उसकी सूचना तत्काल ग्रुप पर डाली जाए जिससे संबंधित अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंच सके एवं घायल व्यक्ति की मदद हो सके तथा ग्रुप पर जगह की लोकेशन भी डाल दी जाए जिससे संबंधित को पहुंचने में आसानी हो। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए की सड़क दुर्घटना में जो भी व्यक्ति एंबुलेंस आदि की व्यवस्था करके व्यक्ति को बचाता है ऐसे व्यक्ति को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिए कि शहर में जितने भी अवैध कट हैं इनका अभियान चलाकर इन पर रोक लगाई जाए। उन्होंने अपर मुख्य चिकित्साधिकारी को सड़क दुर्घटना पर होने वाली घटनाओं पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनपद में घटित हो रही दुर्घटनाओं के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपने कर्तव्यों का गम्भीरता पूर्वक निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि आम जनमानस को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया करें जिससे कि होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि अनाधिकृत वाहन संचालन के विरूद्ध पूरे जनपद में संयुक्त चौकिंग अभियान चलाया जाये। उन्होंने एन एच ए आई को निर्देश दिये कि जनपद में चिन्हित किये गये नवीन दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों / ब्लैकस्पॉट्स के दोनों तरफ नियमानुसार निर्धारित दूरी से पहले ब्लैकस्पॉट चेतावनी बोर्ड लगाये जायें एवं समस्त सुरक्षात्मक कार्य भी किये जायें। उन्होंने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को अवैध स्कूली वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने पुलिस विभाग को यातायात नियमों का पालन कराने एवं यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान सीएमएस, जिला विद्यालय निरीक्षक मनोज कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर राजेश कुमार,सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी , अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद विनय मणि त्रिपाठी, पी डब्लू डी, नेशनल हाईवे 2, जिला सूचना अधिकारी नीलम यादव सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दिसम्बर माह में चार दिन का होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

इटावा। अपर जिला जज /सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्वेता श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण इटावा श्री चवन प्रकाश की अध्यक्षता में दिनांक 14 दिसम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे से जनपद न्यायालय प्रांगण इटावा में राष्ट्रीय लोक अदालत व दिनांक 11.12 व 13 दिसम्ब 2024 को लघु आपराधिक वादों से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में वादों दाम्पत्य विवादों का प्री–लिटिगेशन स्तर पर आर्बिट्रेशन तुच्छ आपराधिक प्रकृति के वाद, पारिवारिक बाद,आपराधिक वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद राजस्व चकबन्दी बैंक मामले,धारा 138 एम०आई०एक्ट, सर्विस के मामले श्रमिक वाद, भरण पोषण वाद आदि प्रकार के मामले निस्तारित किये जायेगे। लोक अदालत में धन व समय की बचत करने हेतु एवं विभिन्न न्यायालयों में लंबित मुकदमों को व प्री–लिटिगेशन स्तर के दाम्पत्य वादों के शीघ्र निस्तारण हेतु अपने मामले को राष्ट्रीय लोक अदालत में लगवाये जिससे एक ही बार में मुकदमों से मुक्ति पाये। अधिक से अधिक वादों के निस्तारण के उध्देश्य से न्यायिक राजस्व प्रशासनिक व बैंक अधिकारीगण के साथ प्री–ट्रायल बैठकों को करके आयोजन भी किया जा चुका है। अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि 14 दिसम्बर 2024 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत व दिनांक 11, 12 व 13 दिसम्बर 2024 को आयोजित होने वाली लघु आपराधिक वादों से संबंधित विशेष लोक अदालत में वादों के निस्तारण के उद्देश्य से सामान्यजन से अपील की जाती है कि अपने लम्बित मामले सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराये जाने हेतु उक्त लोक अदालत में भाग लेना सुनिश्चित करें तथा अधिक से अधिक लोग राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाये।

सिटी मजिस्ट्रेट इटावा दिग्विजय प्रताप सिंह ने की प्रेस जारी विज्ञप्ति जारी

जिला कारागार में मृतक बंदी-रविन्द्र कुमार दोहरे की घटना से संबंधित ,किसी व्यक्ति को अपना ब्यान / साक्ष्य आदि प्रस्तुत करना हो तो 02 दिसम्बर 2024 तक का दिया गया समय,

इटावा 20 नवंबर 2024 सिटी मजिस्ट्रेट इटावा दिग्विजय प्रताप सिंह ने बताया कि अधीक्षक, जिला कारागार, इटावा ने अपने पत्र संख्याः 287/ मृतक बंदी–रविन्द्र कुमार दोहरे 2004 दिनांक 23–10–2024 के द्वारा अवगत कराया है कि विचाराधीन बंदी रविन्द्र कुमार दोहरे पुत्र जगदीश उम्र लगभग 22 वर्ष निवासी विजयपुर, धाना रसूलाबाद जिला कानपुर देहात अपराध संख्या–546/2024 धारा 137 (2). 87.64 बी०एम०एस०3/4 पॉस्को एक्ट थाना कोतवाली, औरैया के केस में माननीय न्यायालय स्पेशल जज पॉक्सो औरैया के आदेश पर दिनांक 11–10–20 कारागार में दाखिल हुआ था। दिनांकरू 22–10–2024 को इस बंदी ने शौचालय में जाकर अपने गमछे को गले में बांधकर लटक गया। जेल चिकित्साधिकारी द्वारा जांच कर उसे मृत बताया गया। उक्त घटना की मजिस्टीरियल जांच जिला मजिस्ट्रेट महोदय के आदेश दिनांक 28–10–2004 में अनुपालन में अधोहस्ताक्षरी द्वारा की जा रही है। अतः इस प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सर्वसाधारण को पुनः सूचित किया जाता है कि उक्त घटना से संबंधित किसी व्यक्ति को अपना ब्यान / साक्ष्य आदि प्रस्तुत करना हो तो दिनांक 02 दिसम्बर 2024 प्रातः 11 बजे कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है।

ऑटो ने मारी स्कूटी सवार को टक्कर के बाद ऑटो पलटा

इटावा एक्सप्रेस

इटावा थाना इकदिल क्षेत्र के अंतर्गत आर एस डिग्री कॉलेज मनियामऊ के सामने इटावा की ओर से आ रहे स्कूटी सवार को पीछे से आ रहे ऑटो ने मारी टक्कर टक्कर के बाद आटो रोड पर ही पलट गया जिसमें कई सवारी में बैठी हुई थी सवारियों को काफी चोटे आई स्कूटी सवार मुकेश पुत्र श्री राम प्रजापति निवासी विजयनगर चौराहा इटावा की स्कूटी यूपी 84 ए आर 6053 में पीछे से आ रहे आटो यूपी 75 सीटी 0419 के ड्राइवर अर्जुन पुत्र शिवराज सिंह निवासी कंधेशी पचार ने जोरदार टक्कर मार दी जिसके बाद स्कूटी सवार रोड पर गिरा और ऑटो रोड पर ही पलट गया जिसमें उत्तर प्रदेश पुलिस सिपाही अपने बच्चे के साथ गाड़ी में बैठे थे उनको भी काफी छोटे आई शैलेंद्र पुत्र प्रताप सिंह निवासी भिलोना जो इटावा से सराय जलाल की तरफ अपने घर जा रहा था उसको भी गंभीर चोटें आई घायलों को निजी वाहन से अस्पताल भेजा गया

हर दिन डायरी में कलम से लिखें अपना लक्ष्य

सबसे पहले अपने जिंदगी के लक्ष्य को निर्धारित करें। अपने प्रत्येक घंटे, दिन, सप्ताह, महीने व साल के लिए भी लक्ष्य निर्धारित करें। हर दिन लक्ष्य तक पहुँचने के बेहतर तरीके सोचते रहें और हर दिन लक्ष्य तक पहुँचाने वाले काम करते रहें। प्रबल इच्छा हो, तो आप हर दिन काम करने का समय निकाल ही लेंगे। जब आप निष्क्रिय अवस्था में होते हैं, तब आपको छोटी से छोटी बाधा भी रोक सकती है। लेकिन जब आप लक्ष्य की दिशा में प्रगति करने लगते हैं, तो आपको मुश्किल से मुश्किल बाधा भी नहीं रोक पाएगी। बाधाएँ वे डरावनी चीजें हैं, जो आपको तब दिखती हैं, जब आप लक्ष्य पर से निगाह हटा लेते हैं। एक भी दिन नहीं गुज़रने दें, जब आप लक्ष्य की दिशा में काम नहीं करें। क्योंकि इससे आदत का सिलसिला टूट जाएगा और आलस का सिलसिला हावी हो जाएगा। एक सर्वे के अनुसार, सिर्फ तीन प्रतिशत वयस्कों के पास लिखित लक्ष्य होते हैं और बाक़ी सभी उनके लिए काम करते हैं। टाइप करने के बजाय नोटबुक या डायरी में लक्ष्य लिखने से बेहतर परिणाम मिलते हैं। हर दिन लिखने से आपको वह लक्ष्य हमेशा याद रहेगा। आप उसके प्रति समर्पित रहेंगे। जिस तरह दाग–धब्बों या धूल के कारण आपको अपना चश्मा दिन में कई बार साफ़ करना पड़ता है, उसी तरह रोज़मर्रा के भटकावों की वजह से आपको अपने लक्ष्य को भी दिन में कई बार स्पष्ट देखना होता है। लिखने से आपका चेतन मन पूरी तरह सक्रिय हो जाता है। इसके अलावा, लक्ष्य लिखने से अवचेतन मन पर इसकी छाप भी छूट जाती है, जो लक्ष्य साकार करने में मदद करता है। लक्ष्य तय करने और लिखने की यह छोटी–सी आदत आपकी जिंदगी बदल सकती है। एक पेंसिल और एक सपना आपको कहीं भी ले जा सकते हैं। डायरी या नोटबुक में हर दिन अपना लक्ष्य लिखें, ताकि यह आपकी स्मृति में गहरा बैठ जाए। किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निश्चित तारीख लिखना महत्त्वपूर्ण होता है, क्योंकि तभी आपका मस्तिष्क उस लक्ष्य को महत्त्वपूर्ण मानता है। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि डेडलाइन पूरी करना पर्याप्त नहीं है, डेडलाइन को हराना जरूरी है। कुछ लोग डेडलाइन पास आने पर ही काम करते हैं। डेडलाइन चरम प्रेरणा है। अगर आप किसी को प्रेरित करना चाहते हैं, तो लक्ष्य के लिए डेडलाइन तय करें ।

प्रांतीय महामंत्री राजीव यादव ने 25वां प्रांतीय अधिवेशन में 6 दिसंबर को नगर पंचायत गोसाईं गंज अयोध्या में अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है

इटावा। प्रदेश के नगर पालिका कर्मचारियों की विभिन्न मांगों को लेकर राज्य स्वायत शासन कर्मचारी परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष कुशल पाल सिंह की अध्यक्षता में, प्रांतीय महामंत्री राजीव यादव के संचालन में एवं शिव शंकर वर्मा के संयोजन में परिषद का 25वां प्रांतीय अधिवेशन 6 दिसंबर 2024 को नगर पंचायत गोसाईं गंज जनपद अयोध्या में आयोजित होने जा रहा है। उक्त जानकारी राज्य स्वायत शासन कर्मचारी परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री राजीव यादव ने देते हुए बताया कि अधिवेशन कार्यक्रम में पुरानी पेंशन व्यवस्था पुनः लागू करने की मांग के साथ निकाय कर्मचारियों को कैशलेस सुविधा आउट सोर्सिंग कर्मचारियों का स्थाईकरण एवं 30 हजार न्यूनतम वेतन प्रति माह दिए जाने,8वां वेतन आयोग का शीघ्र गठन करने, निकाय कर्मचारियों को कोषागार से पेंशन दी जाए, अकेंद्रीय सेवा कर्मियों की सेवा नियमावली शीघ्र ही जारी की जाए, लिपिक वर्गीय कर्मचारियों को राजकीय विभागों के कर्मचारियों की भांति निकाय कर्मचारियों को समान पद, नाम व वेतन प्रदान किया जाए, सामान्य एवं सफाई वर्ग में पर्याप्त नियुक्तियां की जाएं। मांगों सहित 15 मुख्य मांगों पर प्रमुखता से चर्चा होगी । कर्मचारी नेताओं ने प्रदेश के निकाय कर्मचारियों से अधिवेशन कार्यक्रम में समय से प्रतिभाग करने की अपील की है। अपीलकर्ता राजीव यादव प्रांतीय महामंत्री

दूसरों के घरों में झगड़े मत करवाइए

इटावा एक्सप्रेस

एक सहेली ने अपनी दूसरी सहेली से खुशी–खुशी पूछा, ष्तुम्हारे बच्चे के जन्म पर तुम्हारे पति ने तुम्हें क्या तोहफा दिया?ष सहेली ने जवाब दिया, ष्कुछ भी नहीं।ष उस पर उसने फौरन सवाल किया, ष्क्या यह सही बात है? क्या तुम्हारे पति तुम्हारी कद्र नहीं करते?ष यह बात कहकर, वह सहेली लफ्ज़ों का ज़हरीला बीज बोकर चली गई। लेकिन इन शब्दों ने उस पत्नी के दिल और दिमाग में शक और नाराजगी के भाव भर दिए। शाम को जब उसका पति घर आया, तो उसने पत्नी का बदला हुआ चेहरा देखा। बातचीत की जगह दोनों के बीच तकरार शुरू हो गई। बात इतनी बढ़ गई कि झगड़े और लानतों का दौर शुरू हो गया। कुछ ही दिनों में उनका रिश्ता टूट गया और बात तलाक तक पहुंच गई। यह झगड़ा कहां से शुरू हुआ? एक छोटी–सी नादानी भरे सवाल से, जिसे उसकी सहेली ने बिना किसी सोच–विचार के कह दिया था। एक और उदाहरण में, रवि ने अपने जिगरी दोस्त पवन से पूछा, ष्तुम कहां काम करते हो और कितनी तनख्वाह मिलती है?ष पवन ने जवाब दिया, ष17 हजार।ष रवि ने तंज करते हुए कहा, ष्सिर्फ 17 हजार? इतने में जिंदगी कैसे चलती होगी?ष इस सवाल ने पवन के दिल में अपनी नौकरी और आय के प्रति असंतोष भर दिया। कुछ ही समय में, उसने अपने मालिक से तनख्वाह बढ़ाने की मांग की, लेकिन जब उसकी मांग पूरी नहीं हुई, तो उसने नौकरी छोड़ दी। पहले उसके पास काम था, लेकिन अब वह बेरोजगार हो गया। एक पिता, जो अपने बेटे से अलग रहते थे, उनके एक जानकार ने कहा, ष्तुम्हारा बेटा तुमसे मिलने क्यों नहीं आता? क्या उसे तुमसे प्यार नहीं रहा?ष पिता ने जवाब दिया, ष्वह बहुत व्यस्त है। उसके अपने परिवार और जिम्मेदारियां हैं।ष जानकार ने जवाब दिया, ष्यह क्या बात हुई? तुमने उसे पाला–पोसा, हर ख्वाहिश पूरी की, और अब वह तुम्हारे लिए वक्त नहीं निकाल सकता?ष इन शब्दों ने पिता के दिल में बेटे के प्रति शंका और नाराजगी भर दी। अब जब भी बेटा मिलने आता, पिता की आंखों में पहले जैसी खुशी नहीं होती। याद रखिए, हमारी जुबान से निकले शब्दों का दूसरों पर गहरा असर पड़ता है। अक्सर हम बेमतलब के सवाल और तंज भरे जुमले बोल देते हैं, जिनसे दूसरों के दिल में नफरत या असंतोष का बीज पनप सकता है। तुमने यह क्यों नहीं खरीदा? तुम्हारे पास यह क्यों नहीं है? तुम इस इंसान के साथ कैसे जिंदगी बिता सकते हो? ऐसे सवाल हमें छोटे लगते हैं, लेकिन ये किसी की जिंदगी पर बड़ा असर डाल सकते हैं। हमारी बातें किसी के घर में शक, झगड़े और दूरियों का कारण न बनें। लोगों के घरों में जाओ तो अंधे बनकर और वहां से निकलो तो गूंगे बनकर। दूसरों की जिंदगी में सुख–शांति बनाए रखने में योगदान दें, ना कि उनकी परेशानियों को बढ़ाने में।

व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की बैठक में छोटे बिजली उपभोक्ताओं का उत्पीड़न न किए जाएं उठाई मांग

रात्रि में पुलिस गस्त बढ़ाई जाए व्यापारियों ने की मांग

इटावा एक्सप्रेस

इटावा गुरुवार को पुलिस लाइन स्थित नवीन सभागार में व्यापारी सुरक्षा प्रकोष्ठ की गोष्टी नगर मजिस्ट्रेट दिग्विजय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में उपजिलाधिकारी सदर विक्रम सिंह राघव, नगर क्षेत्राधिकारी अमित कुमार, सीओ ट्रैफिक सहित व्यापार मंडल के लोग रहे। इटावा अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के जिला महामंत्री धर्मेंद्र जैन ने कहा शहर में छोटे बिजली उपभोक्ताओं को बिजली विभाग के अधिकारी कर्मचारी उत्पीड़न कर रहे हैं आए दिन उनको फोन करके रुपया जमा कराए जाने का दबाव बनाया जाता है जबकि बड़े बकायदारों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की जाती है इसको रोका जाए। इटावा जिला प्रवक्ता इकरार अहमद ने कहा सर्दी के मौसम में रात्रि में पुलिस ग्रस्त बढ़ाई जाए। युवा जिला महामंत्री रंजीत कुशवाहा ने कहा शहर के प्रमुख बाजारों में जाम की स्थिति बहुत खराब होती

जा रही है आए दिन जाम लगा रहता है जिसके कारण स्कूल जाने वाले बच्चे जाम में फस जाते हैं उसपर कार्रवाई प्रशासन को करनी चाहिए। नई मंडी अध्यक्ष सत्येंद्र कुशवाहा ने कहा मंडी परिसर में आयें दिन आग की घटनाएं होती रहती हैं इसको रोकने के लिए रात्रि में मंडी में पुलिस ग्रस्त होनी चाहिए। इटावा जिला महामंत्री धर्मेंद्र जैन ने कहा टीटी चौराहे के पास नाले की पुलिया की दीवार पूरी तरीके से टूट चुकी है उसका निर्माण होना चाहिए और रामगंज बाजार की सड़क के बीचो–बीच पानी की पाइप लाइन टूटी हुई है जिसके कारण सड़क पर बड़ा गड्ढा हो गया है इसको ठीक कराया जाए। बैठक में जिला महामंत्री धर्मेंद्र कुमार जैन, जिला उपाध्यक्ष लल्लू वारसी, जिला प्रवक्ता इक़रार अहमद, युवा महामंत्री रंजीत सिंह कुशवाह, युवा नगर मंत्री मोहम्मद उवैश, मुस्तकीम राईन आदि उपस्थित रहे।

अवैध रूप से चल रहे क्लीनिकों पर सीएचसी अधीक्षक महेवा ने की छापामारी

जनपद इटावा क्षेत्र के कई गावों में झोलाछाप व दुकानों में चिकित्सा कार्य करने वालो की चेकिंग । कई के पास नहीं मिली उचित डिग्री व अस्पताल संचालन का रजिस्ट्रेशन । अधीक्षक डॉक्टर गौरव त्रिपाठी ने तीन दिन में कागजात प्रस्तुत करने का दिया निर्देश तथा उच्चाधिकारियों को की रिपोर्ट प्रेषित। विदित कुछ दिन पूर्व कस्बा महेवा में भी चल रहे पुरानी रोड पर व नए हाइवे पर अस्पतालों का भी किया था निरीक्षण ।

विदित हो कि आर्युवेदिक ,यूनानी पद्धति तथा बी ए एम एस डिग्री धारक कर रहे है एलोपैथिक इलाज तथा आपरेशन । डॉक्टर त्रिपाठी ने कहा कि नियमित निरीक्षण रहेगा जारी । अवैध अस्पताल संचालकों व बिना डिग्री धारक चिकित्सकों में मचा हड़कंप

मा. राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी के जन्मदिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने लखनऊ स्थित राजभवन में उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर अपनी शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री जी ने इस अवसर पर राज्यपाल जी कोष्भारतीय संस्कृति के प्रतीक राम नामक पुस्तक भी भेंट की।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सयुंक्त चिकित्सालय इटावा

CMS- MM- ARYA पर लगे गंभीर आरोप

जैसे की पहले कई बार मै अपनी खबर के माध्यम से बता चुका हू की ब्डै. डड. ।त्ल्। को सुर्ख़ियों में रहना पसंद है वही इस बार बिना सोचे समझे सहाब ने एक अजीबो गरीब कारनामा कर डाला फिर चाहे अंजाम जो भी हो बरसों से जिला अस्पताल में गरीब कमजोर असहाय मरीजो को लाने और ले जाने वाली रेडक्रॉस की चलती हुई एम्बुलेंस को ही गायब कर दिया लेकिन साहाब का मन इस से भी नही भरा तो ब्डै. डड. ।त्ल्। साहाब ने अपने ही कर्मचारी संत कुमार से मिलकर रेड क्रॉस की एम्बुलेंस के कुछ पुर्जे ही गायब कर डाले जैसे बैटरी ओक्सीजन सलेंडर और गाड़ी का हूटर अब सोचने वाली बात ये है अगर इतने बड़े पद पर बैठने के बाद अगर अधिकारी इस तरीके के कार्य करेगे तो सरकार इनसे क्या अपेक्षा रखेगी जब रेड क्रॉस सोसायटी के चेयरमेन डॉक्टर के के सक्सेना से बात की तो उन्होंने बताया की ब्डै. डड. ।त्ल्। एक लापरवाह अधिकारी है और उन्होंने हमारी रेड क्रॉस सोसायटी की एम्बुलेंस को बिना कोई जानकारी दिये पता नहीं कहा गायब कर दिया है इसलिए मैंने ब्डै.डड.।त्ल्। के खिलाफ एक शिकायत पत्र जिला अधिकारी इटावा अवनीश राय और एक शिकायत पत्र माननीय राज्यपाल

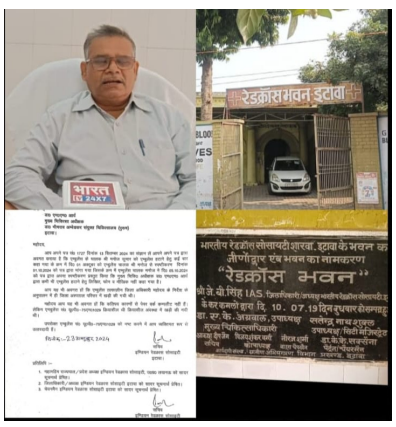

को भेजा है और अगर इससे ब्डै.डड. ।त्ल्।साहब पर कोई कार्यवाही नहीं की गयी तो मै इससे भी आगे शिकायत लेकर जाऊगा वही जब रेड क्रॉस सोसाइटी की एम्बुलेंस के ड्राइवर से बात की गयी तो उन्होंने अपनी पीड़ा जाहिर करते हुए कहा की मेरे सामने मेरी एम्बुलेंस को श्रब्ठ से ठोक कर कबाड बना दिया गया और श्रब्ठ से खीचकर ले गये एम्बुलेंस चालक ने दुखी होते हुए ये भी बताया की ये वही एम्बुलेंस है साहब जब कोरोना जैसी भयंकर महामारी के समय मैने इसी एम्बुलेंस से बहुत से लोगों की जान बचाई है लेकिन आज जब एम्बुलेंस को श्रब्ठ से ठोका गया तो मानो मेरे सीने पर कोई हथौड़ा चला रहा हो ऐसा लगा और कहा ब्डै साहब के चहेते संत कुमार ने बैटरी और ओक्सीजन सलेंडर और गाड़ी का हूटर निकालकर अपने घर पर रख लिया रेडक्रॉस एम्बुलेंस के चालक ने ये भी बताया की मुझे ब्डै साहब और संत कुमार ने मुझे बुलाकर मामले को रफा दफा करने का प्रेसेर भी दिया है लेकिन मैं नहीं माना अब सोचने वाली बात ये है ब्डै. क्त. डड. ।त्ल्। साहब की मनमानी इस कदर चरम सीमा पार कर चुकी है की जिस सोसायटी के अध्यक्ष स्वम जिला अधिकारी है ब्डै साहब ने उसी सोसायटी की एम्बुलेंस गायब कर डाली इसका ये मतलब है ब्डै साहब को जिले के क्ड अवनीश राय का भी डर नहीं है अब देखना है ब्डै साहब के खिलाफ क्ड सहाब क्या कार्यवाही करते है

जनपदीय पुलिस इटावा द्वारा विभिन्न थानों पर किये गए सराहनीय कार्य

इटावा एक्सप्रेस

जनपद इटावा थाना सैफई पुलिस द्वारा धारा 170/126/135 बीएनएसएस की कार्यवाही करते हुये अभियुक्तगण 1. नीरज पुत्र श्री दिनेश चन्द्र निवासी ग्राम सहसारपुर थाना सैफई जनपद इटावा 2. विजय सूर्या पुत्र श्री जयनरायन निवासी ग्राम फूलापुरा थाना वैदपुरा जनपद इटावा 3. रामविमल उर्फ गुड्डू पुत्र बालकराम निवासी सुतियानी थाना ऊसराहार जनपद इटावा हाल पता ग्राम सैफई थाना सैफई जनपद इटावा को गिरफ्तार किया गया । जनपद इटावा क्षेत्र थाना सहसों पुलिस द्वारा धारा 170 बीएनएसएस की कार्यवाही करते हुए अभियुक्त । 1.लवकुश पुत्र धीरज सिंह निवासी ग्राम टिटावली थाना सहसों जनपद इटावा को गिरफ्तार किया गया । थाना ऊसराहार इटावा जिला थाना ऊसराहार पुलिस द्वारा धारा 170 बीएनएसएस की कार्यवाही करते हुए अभियुक्तगण । 1.पंकज पुत्र राधा कृष्ण निवासी ग्राम भाऊपुरा थाना ऊसराहार जनपद इटावा 2.यशवीर सिंह पुत्र लालताप्रसाद निवासी ग्राम भाऊपुरा थाना ऊसराहार जनपद इटावा 3.2अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया ।

सम्पादकीय

जहरीली प्राणवायु

राजधानी दिल्ली व एनसीआर में अनियंत्रित वायु प्रदूषण को लेकर देश की शीर्ष अदालत ने दिल्ली सरकार व पुलिस को फिर फटकार लगायी है। कोर्ट ने नाराजगी जतायी कि वायु गुणवत्ता की बेहद गंभीर स्थिति होने पर सुधार हेतु ग्रैप-4 लागू करने में कोताही बरती जा रही है। कोर्ट ने दिल्ली सरकार व पुलिस को आड़े हाथों लिया कि क्यों रोक के बावजूद दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश जारी है। कोर्ट ने दिल्ली में भारी वाहनों के प्रवेश की निगरानी को तेरह वकीलों को नियुक्त किया, जो सोमवार को अपनी रिपोर्ट देंगे। कोर्ट ने दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली हरियाणा व उत्तर प्रदेश सरकारों को सख्ती से ग्रैप-4 की व्यवस्था लागू करने को कहा। अदालत का कहना था कि सभी राज्यों का दायित्व है कि नागरिकों को प्रदूषण मुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जाए। दरअसल, न्यायमूर्ति अभय एस.ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने ग्रैप-4 व्यवस्था लागू करने की खामियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इस बात पर विश्वास नहीं किया जा सकता है कि दिल्ली में भारी वाहनों का प्रवेश रोक दिया गया है। अदालत ने केंद्र सरकार से दिल्ली में प्रवेश के 113 स्थानों पर निगरानी के लिये पुलिस कर्मियों की तैनाती को कहा, इनमें प्रवेश के तेरह मार्ग ट्रकों के लिये हैं। दरअसल, अदालत ने दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आने वाले राज्य हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश सरकारों को 18 नवंबर को निर्देश दिया था कि ग्रैप-4 के तहत प्रतिबंधों के क्रियान्वयन के लिये तुरंत टीम गठित की जाए। कोर्ट ने सख्ती से पाबंदियां लागू न किये जाने पर नाराजगी जतायी। उल्लेखनीय है कि इस सप्ताह की शुरूआत में वायु गुणवत्ता सूचकांक यानी एक्यूआई के गंभीर से अधिक के स्तर पर पहुंचने पर ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान-4 लागू किया गया था। जिसके अंतर्गत ट्रकों व भारी वाहनों के दिल्ली में प्रवेश व सार्वजनिक निर्माण पर अस्थायी रोक लगा दी गई थी। प्रश्न है कि क्यों हमारी सरकार जन-स्वास्थ्य से जुड़े मामलों में तब तक सोयी रहती है, जब तक कि पानी सिर के ऊपर से न गुजरने लगे। क्यों हर साल शीर्ष अदालत को सरकार, पुलिस व पर्यावरण संरक्षण हेतु बनी संस्थाओं को नींद से जगाना पड़ता है? क्यों अदालत पहले आदेश दे और फिर उसके क्रियान्वयन की निगरानी करे? क्यों सरकारें आग लगने पर कुंआ खोदने की फितरत से बाज नहीं आती। अदालत ने कहा कि हर नागरिक को स्वच्छ हवा देना सरकारों का दायित्व है तो क्या सरकारें जिम्मेदारी निभा रही हैं? सर्दी की दस्तक देते ही हर साल अक्तूबर-नवंबर में प्रदूषण संकट पैदा होता है, फिर भी सारे साल प्रदूषण को काबू करने के उपया क्यों नहीं किए जाते? क्यों प्रदूषण संकट गंभीर स्थिति में पहुंचने के बाद सरकारें हाथ-पैर मारना शुरू करती हैं? कल्पना कीजिए श्वसनतंत्र व दमा जैसे रोगों से ग्रस्त लोग इस भयावह प्रदूषण संकट से कैसे जूझ रहे होंगे? विडंबना ही कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए कैसे परिवेश-पर्यावरण छोड़ेंगे। सवाल हवा का ही नहीं, पानी पर भी बड़ा संकट है। हाल ही में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने नासा व जर्मनी के उपग्रहों से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर चिंता बढ़ाने वाला खुलासा किया कि वर्ष 2014 के बाद से स्वच्छ जल के स्तर पर अप्रत्याशित गिरावट देखी गई है। निश्चित रूप से इस स्थिति के लिये हम सब सीधे तौर पर जिम्मेदार हैं। पानी के अंधाधुंध उपयोग, वन क्षेत्रफल का संकुचन और इंसान की अंतहीन लिप्साओं व वाहनों के दबाव ने धरती का जैसे तापमान बढ़ाया है, उसने पानी की वाष्पन की गति तेज कर दी है। साथ ही ग्लोबल वार्मिंग के चलते बारिश के पैटर्न में भी तीव्र बदलाव आया है। बहुत अधिक पानी बहुत कम समय में बरसता है और तुरंत बह जाता है। जिससे धरती की जल ग्रहण क्षमता कम होती जा रही है। पिछले एक दशक में तीस बड़े सूखे दर्ज हुए हैं। वहीं हमारी भौतिक लिप्साओं व औद्योगिक अपशिष्ट ने शुद्ध जल के स्रोतों मसलन नदियों व झीलों को भी प्रदूषित कर दिया है। यह इंसान के लिये जागने का वक्त है।

लोकतंत्र पर बढ़ता तकनीकी साम्राज्यवाद का खतरा

जगदीश रत्तनानी

एक्स के मालिक एलन मस्क और ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा एवं उनकी पत्नी के बीच कटु विवाद छिड़ गया है। मस्क ने अदालत के आदेशों का पालन करने से इनकार कर दिया था जिस पर ब्राजीली सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश ने श्एक्सश पर प्रतिबंध लगा दिया। इसके बाद मस्क ने उस न्यायाधीश को दुष्ट तानाशाह कहा। इस विवाद में नवीनतम मोड़ साप्ताहांत में आया जब विश्व भर के नेता जी-20 के 2024 शिखर सम्मेलन के लिए रियो डी जेनेरो में मिलने की तैयारी कर रहे थे। पिछले साप्ताहांत जी-20 के एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा की पत्नी ने गलत व झूठी सूचना को नियंत्रित करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों को विनियमित करने की आवश्यकता बताई थी। बाद में उसने मस्क को चुनौती देते हुए कहा-श्एलन मस्क, मैं तुमसे डरती नहीं हूंश। श्एक्सश के मालिक ने राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा और उनकी वर्कर्स पार्टी के स्पष्ट संदर्भ में लिखते हुए तुरंत जवाब दियारू श्वे (डा सिल्वा) अगला चुनाव हारने जा रहे हैंश इस तरह इस विवाद में मस्क और श्एक्सश ने लोकप्रिय नेता जायर बोल्सोनारो का समर्थन कर दिया जो 2022 का चुनाव हार गए थे। हार के बाद बोल्सोनारो ने चार साल पहले अमेरिकी चुनावों के परिणामों को पलटने के ट्रम्प के प्रयासों की नकल करते हुए श्चुनाव इनकारश का अभियान चलाया। विदेशी भूमि में केंद्र की सत्तारुढ़ वामपंथी सरकार के खिलाफ एक धुर दक्षिणपंथी राजनेता के समर्थन में मस्क एक सीधी और खुली लड़ाई लड़ रहे हैं। यह एक ऐसा मामला है जिस पर भारत में करीब से ध्यान देना चाहिए जो एक्स के लिए सबसे बड़े बाजारों में से एक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे हैं और संभवतरू आधुनिक समय के बड़े तकनीकी साम्राज्यवाद के तौर-तरीकों को नजदीक से देख सकेंगे। ईस्ट इंडिया कंपनी

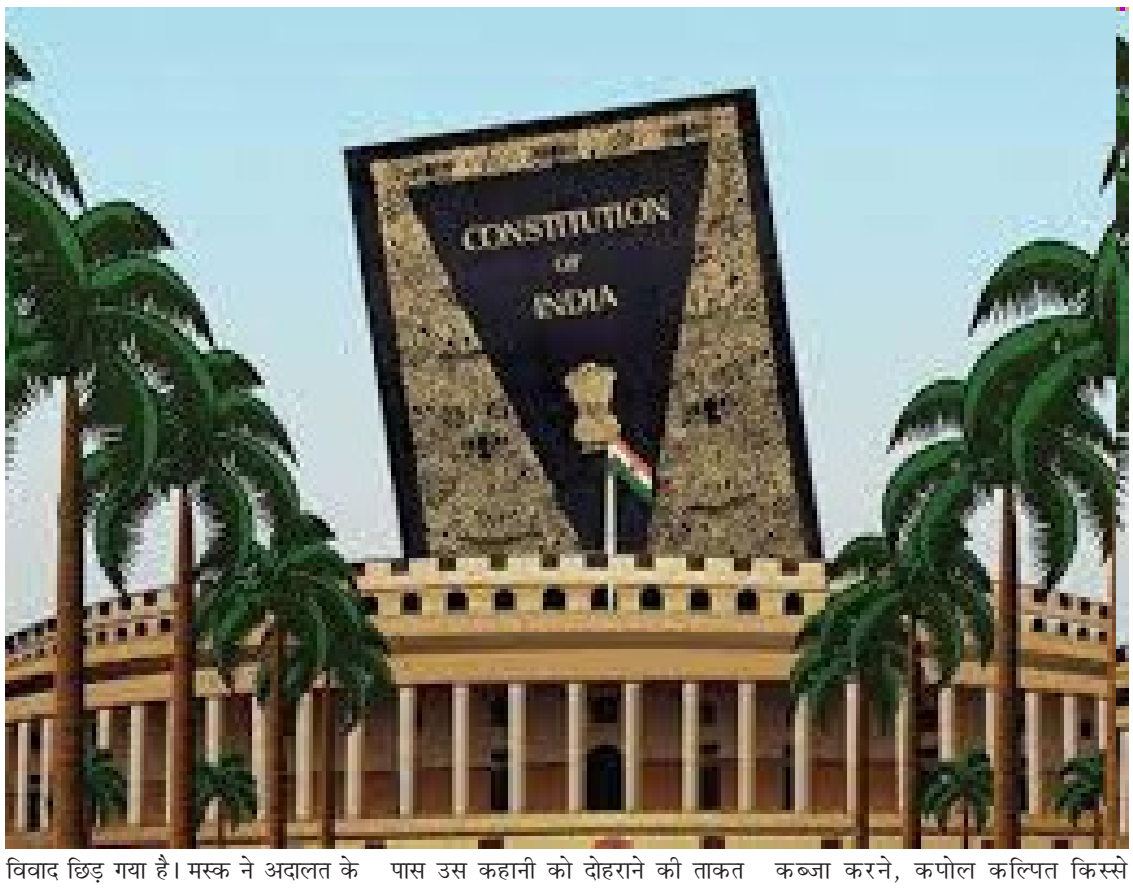

को जटिल और कुटिल हथकंडों का इस्तेमाल कर उपमहाद्वीप पर कब्जा करने और उसे लूटने में 100 साल लग गए, तो आज के तकनीकी साम्राज्यवादियों के पास उस कहानी को दोहराने की ताकत है जिसमें लोगों में फूट डालकर विभाजित करने, संस्थानों को तोड़ने और हिंसा भड़काने वाले कोड, क्लिक और क्लिप के अलावा कुछ नहीं है। ब्राजील में की जा रही दखलदांजी इस साम्राज्यवाद का एक क्लासिक उदाहरण है जो तकनीकी जार के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प की गोद में बैठे एलन मस्क द्वारा संचालित किया जा रहा है जो हमेशा की तरह लापरवाह तथा अमेरिकी चुनावों में ट्रम्प की जीत से सुर्खियों में है और अब अमेरिका में शक्तिशाली औद्योगिक-सैन्य परिसर का प्रभारी बनाया गया है। ब्राजील में इस नाटक का एक बड़ा भाग अमेरिकी चुनावों से पहले भी खेला गया था जिसमें दुष्प्रचार फैलाने के आरोपी खातों को ब्लॉक करने के बारे में ब्राजील के सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करने से श्एक्सश और मस्क ने इनकार कर दिया था। ब्राजील सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अलेक्जेंड्रे डी मोरेस ने आदेश दिया था कि अगर प्लेटफॉर्म ब्राजील में कंपनी का कानूनी प्रतिनिधि नियुक्त नहीं करता है तो दुष्प्रचार में शामिल खातों को ब्लॉक कर दिया जाएगा और 24 घंटे के भीतर बकाया दैनिक जुमार्ने का निपटान नहीं करता है तो एक्स पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। श्एक्सश और मस्क ने आदेशों पर ध्यान नहीं दिया और न्यायालय के साथ सीधे टकराव का विकल्प चुना जिसके बाद एक्स पर प्रतिबंध लगा दिया गया। बाद में अदालती आदेश के सामने झुकने हुए 50 लाख अमरीकी डालर से अधिक के जुमार्ने का भुगतान किया गया। इन घटनाओं को देखते हुए भारत को बड़ी तकनीक की शक्ति और पहुंच के प्रति सचेत होना चाहिए जो उन तरीकों को अपना सकते हैं, संप्रभु राष्ट्रों को चुनौती देते हैं और डिजिटल उपनिवेशवाद के कब्जा करने, कपोल कल्पित किस्से फैलाने और असुरक्षा की भावना फैलाने जैसे काम कर रही हैं जो औपनिवेशिक नियंत्रण के किसी भी अन्य साधन की तुलना में एक त्वरित, गुप्त और पूरी तरह से नियंत्रित करने लायक माहौल बनाता है। मस्क मुंहजोर है लेकिन उनका यह काम केवल उस मुखौटे को फाड़ने का काम करता है जो सभी तरह के उल्लंघनों के संबंध में उन कंपनियों की बदसूरत वास्तविकता को छुपाता है। प्रौद्योगिकी नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दिलाने के दावे के पीछे की हकीकत यह है कि प्रोद्यौगिकी का उपयोग अल्गोस (ऐल्गरिदम) के माध्यम से लालच, भय और झूठ को बढ़ावा देते हैं, पहुंच बढ़ाने और फर्जी समाचार फैलाने के लिये समूहों द्वारा इस्तेमाल किए जाते हैं। यह निश्चित रूप से उत्तरार्द्ध में ऐसा करता है लेकिन पूर्वार्ध में खींचता भी है और अंत में जितना देता है उससे अधिक ले जाता है। सामान्य तौर पर, प्रौद्योगिकी कंपनियों की दुनिया में पारदर्शिता को आदर्श स्थान प्राप्त नहीं है। राइड ऐप उबेर के बारे में विचार करें जिसने पहले अपने आकर्षक प्रस्तावों के साथ बाजार पर कब्जा कर लिया और बाद में अपनी शोषणकारी नीतियों के लिए जाना जाने लगा। इस महीने की शुरूआत में हैदराबाद में कैब चालकों ने पारदर्शिता की कमी का हवाला देते हुए उबेर ऐप का बहिष्कार किया था। उबेर उपभोक्ताओं ने कीमतों में अनुचित श्बढ़ोतरीश की शिकायत की है। भारत के किसी भी शहर में अधिकांश उबेर सवारी नियमित टैक्सी सेवा से अधिक शुल्क लेती हैं। एक्स ने घोषणा की कि इसके प्लेटफॉर्म पर सभी सामग्री का उपयोग इसके आर्टिफिशियल इंटलिजेंस (एआई) मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए किया जा सकता है। यह घोषणा 15 नवंबर से प्रभावी हो गयी है।

विश्व में भारत की साख बढ़ाने की मोदी प्रतिबद्धता

अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई

जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। दुनिया में भारत एवं भारतीय लोकतंत्र का गौरव एवं सम्मान दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है, पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक विश्व नेता बनकर उभरे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका रुतबा लगातार बढ़ा है। विदेशी धरती से मिलने वाले सर्वोच्च नागरिक सम्मानों की एक लम्बी श्रृंखला इस बात का प्रमाण हैं कि प्रधानमंत्री मोदी की छवि वैश्विक स्तर पर सर्वमान्य नेता के तौर पर स्थापित हुई है और उनकी सोच, नीतियों एवं कार्यक्रमों को विश्व स्तर पर मान्यता मिल रही है। यह भारत के लिये गर्व की बात है। इसी श्रृंखला में अपनी तीन देशों की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका और गुयाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान और नाइजीरिया का दूसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान मिला है। प्रधानमंत्री मोदी हाल ही में ब्राजील में जी 20 समिट की बैठक के लिए पहुंचे थे और इसके बाद 3 कैरेबियन देशों की यात्रा पर है। कोरोना काल में मानवीय दृष्टि से मदद का हाथ बढ़ाने के लिए डोमिनिका ने प्रधानमंत्री मोदी को डोमिनिका अवॉर्ड ऑफ ऑनर और गुयाना ने ऑर्डर ऑफ एक्सीलेंस से नवाजा। भारत के लिये सौभाग्य की बात है कि नरेन्द्र मोदी जैसा महानायक प्रधानमंत्री के रूप में मिला है। वैसे तो दस वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है लेकिन इसी सप्ताह उनकी डोमिनिका, गुयाना और नाइजीरिया यात्रा के दौरान उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान मिले हैं, वह हर भारतीय को अभिभूत एवं गौरवान्वित कर देने वाले हैं। ये सम्मान उनके व्यापक सोच, मानवीय दृष्टिकोण, कुशल राजनीतिक नेतृत्व और दूरदृष्टि का प्रतिबिम्ब है जिसने वैश्विक मंच पर भारत के उदय एवं उसकी साख को मजबूत किया है। ये सम्मान दुनिया भर के देशों के साथ भारत के बढ़ते संबंधों को भी दशार्ता है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस कुशलता, परिपक्वता एवं दूरदर्शिता से देश का समग्र विकास करते हुए दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनाने की ओर अग्रसर किया, इससे पूरा देश तो आत्मविश्वास से भर ही उठा बल्कि पूरी दुनिया में भारत को लेकर सकारात्मकता, उम्मीदें और भरोसा बढ़ा है। अब तक विदेशों में कुल 19 बार प्रधानमंत्री मोदी को सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें महाशक्ति कहे जाने वाले देश रूस और अमेरिका के अलावा मालदीव, फिलीस्तीन, इजिप्ट, बहरीन और युएई जैसे मुस्लिम राष्ट्र भी शामिल हैं। इसके साथ ही सबसे ज्यादा बार विदेशी संसद को संबोधित करने का रिकॉर्ड भी मोदी के नाम ही है। मोदी आश्चर्यों की वर्णमाला से गूँथित ऐसा व्यक्तित्व है जिसने अपने हर कीर्तिमान से भारत का मस्तक ऊंचा किया है। ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के पार्लियामेंट को भी प्रधानमंत्री मोदी संबोधित कर चुके हैं। मोदी ने 14 बार विदेशी संसद में वहां के सांसदों को संबोधित किया। अमेरिका में मोदी ने दो बार संसद को संबोधित किया है। इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, फिजी, मॉरिशस, युगांडा, नेपाल, भूटान, श्रीलंका, मंगोलिया, अफगानिस्तान और मालदीव की संसद को भी प्रधानमंत्री मोदी ने संबोधित किया है। इससे पहले प्रधानमंत्री रहते हुए मनमोहन सिंह ने 7 बार, इंदिरा गांधी ने 4 बार, जवाहरलाल नेहरू ने 3 बार, जबकि मोरारजी देसाई और पीवी नरसिम्हा राव ने 1-1 बार विदेशी संसदों में संबोधन दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब पापुआ न्यू गिनी पहुंचे थे तो सारे शासकीय प्रोटोकाल को तोड़ कर उस देश के प्रधानमंत्री जेम्स मारापे ने न केवल मोदी का स्वागत किया साथ ही एयरपोर्ट पर सबके सामने मोदी के पांव भी छूए। यह अपने आप में अभूतपूर्व है कि विश्व के इतिहास में आज तक कभी भी किसी राष्ट्राध्यक्ष ने किसी दूसरे राष्ट्राध्यक्ष के पांव सार्वजनिक रूप से नहीं छूए हो। भारत की जनता ने महानायक मोदी को एक नए भारत के शिल्पकार के रूप में देखा। मोदी की हर देश की यात्रा ऐतिहासिक एवं अविस्मरणीय बनी है। बात चाहे अमेरिका यात्रा की हो, वहां राष्ट्रपति जो बाइडेन मोदी गले तो मिले ही साथ ही बाइडेन का यह कहना अपने आप में अद्भुत है कि आप तो अद्भुत लोकप्रिय हो। मुझे तो आपके आटोग्राफ लेने चाहिए। आस्ट्रेलिया के सिडनी में जिस तरह से पूरा स्टेडियम वहां बसे भारतीयों ने ठसाठस भर दिया और पूरा स्टेडियम मोदी-मोदी के नारों से गुंजायमान हो उठा। उसे देखकर तो आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथोनी अल्बानीस भी हैरान रह गए। दुनिया के बडे.नेता जहां मोदी को सर आंखों पर बैठा रहे हैं, वहीं भारत में मोदी की लगातार बढ़ती साख एवं सम्मान से समूचा विपक्ष बौखलाया हुआ है। मोदी का जितना विरोध किया जा रहा है, उतनी ही उनकी प्रतिष्ठा एवं जनस्वीकार्यता बढ़ती जा रही है। एक तरह से विरोध उनके लिये वरदान बन रहा है। इस युगनायक पर कीचड़ उछालने की जिस तरह की हरकतें की गई, वर्तमान में वे पराकाष्ठा तक पहुंच गयी है। पर इससे मोदी का वर्चस्व धूमिल होने वाला नहीं है। क्योंकि उनकी राजनीति एवं नीति विशुद्ध है और सैद्धान्तिक आधार पुष्ट है। आज भारत देश की वैश्विक साख और गरिमा में जो वृद्धि हुई है उसका पूरा श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है। विश्व शांति की स्थापना में भारत का योगदान हो या प्रौद्योगिकी के विशाल क्षितिज में लंबी उड़ान, यह सब प्रधानमंत्री की विशाल दृष्टि से संभव हो रहा है। हम सब बदलाव की इस प्रक्रिया को प्रत्यक्ष देख रहे हैं। यह सौभाग्य से कम नहीं है। मोदी का संपूर्ण व्यक्तित्व एक पाठशाला बन गया है। उनके व्यक्तित्व के कई अनूठे आयाम हम देख चुके हैं, जो हमें आश्चर्यचकित कर देते हैं।

पुतिन का परमाणु सिद्धांत को सख्त बनाना यूक्रेन के यूरोपीय सहयोगियों को लक्षित

अंजन रॉय

मानो हमला करने के लिए उन्हें किसी सिद्धांत की आवश्यकता थी, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने तथाकथित रूसी परमाणु सिद्धांत में संशोधन किया है। इस बदलाव के तहत रूस को परमाणु हथियारों से लैस किसी गैर-परमाणु देश पर भी हमला करने का अधिकार है, बशर्ते कि उसे परमाणु हथियारों वाले किसी देश का समर्थन प्राप्त हो। यह देखना शिक्षाप्रद है कि दो आपस में नहीं लड़ने वाले रॉक्स योद्धा - रूस और अमेरिका - इस चरम बिंदु पर कैसे पहुंचे।

रूस ने तब से ही अपनी परमाणु धमकी जारी रखी थी, जब पुतिन ने यूक्रेन पर आक्रमण शुरू किया था। शुरूआती दिनों में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अधिक सतर्क भूमिका निभाई थी, लेकिन अपने अंतिम दिनों में उन्होंने यूक्रेन को अमेरिकी लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग कर गहरे हमले करने की अनुमति देकर एक बड़ा जोखिम उठाया है। जो बाइडेन को अमेरिकी अग्नि शक्ति के निर्णायक उपयोग की अनुमति देने के लिए प्रेरित किया गया था, जब यह बताया गया था कि रूस अब युद्ध के मैदान में उत्तर कोरियाई लड़ाकों को भी तैनात कर रहा है। बाइडेन द्वारा रूस में गहरे हमलों के लिए अमेरिकी हथियारों का उपयोग करने की अनुमति देने के तुरंत बाद, पुतिन अपने नये परमाणु सिद्धांत के साथ आगे आये। इससे यूरोप में परमाणु युद्ध और बड़ी आबादी के विनाश की आशंका बढ़ गयी है, चाहे वह वास्तविक हो या काल्पनिक। कहा जा सकता है कि यूक्रेन युद्ध अब एक नयी ऊंचाई पर पहुंच गया है क्योंकि दोनों पक्ष शत्रुता में एक गंभीर कदम के करीब हैं। जमीन पर, यूक्रेन ने पहले ही रूस के कुछ आंतरिक क्षेत्रों तक पहुंचने वाली अमेरिकी लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग किया है। यूक्रेन नेतृत्व रूसी सैन्य प्रतिष्ठानों और गोला-बारूद डिपो पर सफल हमलों का दावा कर रहे हैं। रूस ने अपनी ओर से घोषणा की है कि यूक्रेन द्वारा दागी गयी छह लंबी दूरी की मिसाइलों में से पांच को रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रोक लिया है और उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट कर दिया है। कुछ रूसी प्रवक्ताओं ने जानकारी दी है कि रूसी सेना ने मिसाइलों की गतिविधियों का विश्लेषण किया है और निष्कर्ष निकाला है कि ये हथियार अन्य सैन्य शक्तियों द्वारा सक्रिय रूप से मदद और मार्गदर्शन के बिना रूसी अंदरूनी इलाकों तक नहीं पहुंच सकते थे। इन मिसाइलों का इस्तेमाल केवल सटीक खुफिया जानकारी और मार्गदर्शन प्रणालियों के आधार पर ही किया जा सकता है। रूस को अपने संशोधित परमाणु सिद्धांत के लिए कोई बड़ा समर्थन मिलना मुश्किल है, इसके वास्तविक उपयोग की तो बात ही छोड़िए। चीन ने बार-बार रूस के किसी गैर-परमाणु देश के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के खिलाफ कड़ी आलोचना की है। बिना किसी सीमा के दोस्त होने के बावजूद, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रूस के परमाणु हथियारों के इस्तेमाल या यहां तक कि इस्तेमाल की धमकी का कोई समर्थन देने से इनकार कर दिया है। समर्थकों का गठबंधन बनाने के लिए, रूस अपने जाल को व्यापक बनाने की कोशिश कर रहा है। रूसियों ने आज एकतरफा रूप से रूसी राष्ट्रपति की भारत यात्रा की योजना की घोषणा की है। भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से अभी तक व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की कोई पुष्टि नहीं की गयी है। यह उल्लेख किया जा सकता है कि व्लादिमीर पुतिन किसी भी अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले सके या यहां तक कि चीन की कुछ यात्राओं को छोड़कर कोई भी विदेश यात्रा नहीं कर सके क्योंकि उनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट है। वे दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भी यात्रा नहीं कर सके क्योंकि जैसे ही वे भारतीय धरती पर कदम रखते, अधिकारियों का कर्तव्य बनता कि वे उन्हें गिरफ्तार कर लें क्योंकि भारत आईसीसी का हस्ताक्षरकर्ता है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पुतिन भारत की यात्रा कैसे कर सकते हैं और गिरफ्तारी से भी कैसे बच सकते हैं, यदि भारत अंतरराष्ट्रीय दायित्व का उल्लंघन नहीं करता। रूसी आक्रामकता में अचानक वृद्धि निवर्तमान अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के अचानक निर्णय से हुई, जिसमें उन्होंने यूक्रेन को रूसी धरती पर हमला करने के लिए अमेरिकी आपूर्ति किये गये हथियारों का उपयोग करने की अनुमति दी। वास्तव में, बाइडेन के इस कदम ने आने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए भी एक फ्लैश पॉइंट बनाया हो सकता है। रूस द्वारा नया सिद्धांत जारी किया गया है जो विशेष रूप से यूक्रेन के अमेरिकी और यूरोपीय सहयोगियों के लिए लक्षित है। परमाणु खतरा कोई नई बात नहीं है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद से ही वह यह संदेश भेज रहे हैं। उस समय पुतिन को उम्मीद थी कि वह कुछ ही हफ्तों में यूक्रेन पर अपने आक्रमण को सफलतापूर्वक समाप्त कर लेंगे। पुतिन को निराशा हुई कि वह कोई प्रगति नहीं कर पाये और बख्तरबंद वाहनों और सैनिकों के लंबे रूसी काफिले यूक्रेनी सेना के सटीक हमलों से नष्ट हो गये। हाल ही में रूसी सेना ने कुछ प्रगति की है, लेकिन पिछले 1002 दिनों से जारी युद्ध यूक्रेन और रूस दोनों के लिए विनाशकारी रहा है।

यूपी उपचुनाव: अखिलेश की पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील

सतर्क रहें... हम नैतिक रूप से जीत चुके हैं

लखनऊ। यूपी में उपचुनाव की नौ सीटों पर मतदान के बाद मतगणना से एक दिन पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं व समर्थकों से अपील की है कि वो पूरी तरह सतर्क रहें और शनिवार को मतगणना के बाद जीत का प्रमाण पत्र लेकर ही लौटें। उन्होंने कहा कि हम नैतिक रूप से जीत चुके हैं, बस प्रमाणपत्र मिलना बाकी है। अखिलेश यादव ने सोशल साइट एक्स पर बयान जारी कर कहा कि इंडिया गठबंधन-समाजवादी पार्टी की सजगता व सक्रियता से जिस तरह हमारे मतदाताओं, समर्थकों, कार्यकताओं, पदाधिकारियों, नेताओं, उम्मीदवारों, समस्त पीडीए समाज व कुछ ईमानदार मीडियाकर्मियों ने भाजपा सरकार की चुनावी धांधली का डटकर सामना किया है, उसकी प्रशंसा हर ओर हो रही है। ये सक्रियता आगे भी जारी रहेगी और अपनी सरकार बनाएगी। सच तो ये है कि जिस प्रकार भाजपा और उनके संगी-साथियों के चुनावी घपलों से लेकर राजनीतिक हथकंडों तक का लगातार पदार्फाश हो रहा है, उससे भाजपा का समर्थन करनेवालों की संख्या दिन-पर-दिन गिरती जा रही है। जनता भाजपा को चुनना नहीं चाहती है।

असम में एक ही परिवार के तीन लोगों सहित चार व्यक्तियों की हत्या

असम । नागांव गए हुए थे क्योंकि अगले बुधवार को उनकी बेटी की शादी होनी थी। मारे गए परिवार के सदस्यों की पहचान गुणाधर सरकार, सरोजिनी सरकार और उनकी सबसे छोटी बेटी जयास्मिता के रूप में हुई है। असम के नागांव जिले में अज्ञात लोगों ने एक ही परिवार के तीन सदस्यों समेत चार लोगों की हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

सामुद्रिक शास्त्रः कमर पर तिल होना है राजयोग का संकेत, जानें तिल से जुड़ी सफलता और भाग्य के राज!

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, हमारे शरीर पर मौजूद तिल न केवल हमारी सुंदरता बढ़ाते हैं, बल्कि हमारे जीवन, स्वभाव और भाग्य के बारे में भी बहुत कुछ बताते हैं। शरीर के कुछ खास हिस्सों पर तिल का होना बेहद शुभ माना जाता है और इसे राजयोग की निशानी समझा जाता है। आइए जानते हैं कि लड़के और लड़कियों के लिए शरीर के किस हिस्से पर तिल होना शुभ और लाभदायक होता है।

क्या आपके कमर पर तिल है?

प्रत्येक व्यक्ति के शरीर पर तिल होना सामान्य बात है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, शरीर पर मौजूद तिल का गहरा महत्व होता है। तिल का स्थान व्यक्ति के जीवन, स्वभाव और व्यवहार को प्रभावित कर सकता है। यह शुभ-अशुभ फल देता है और कई बार व्यक्ति के भविष्य की ओर भी इशारा करता है। खासतौर पर कमर पर तिल को बहुत शुभ माना जाता है। हालांकि, लड़के और लड़कियों के शरीर पर तिल का महत्व अलग-अलग होता है। आइए जानते हैं कि लड़कों और लड़कियों के लिए कमर पर तिल होना क्या संकेत देता है।

लड़कों के लिए कमर पर तिल का महत्व

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, लड़कों की कमर पर तिल होना शुभ माना जाता है। खासकर यदि तिल कमर की दाईं तरफ हो, तो इसे बेहद लकी माना जाता है। ऐसे लोगों को जीवन में बहुत जल्दी सफलता मिलती है। उन्हें धन और संपत्ति की कभी कमी नहीं होती। उनके परिवार में सुख और शांति बनी रहती है।

यह तिल इस बात का प्रतीक होता है कि व्यक्ति का स्वभाव दयालु और दूसरों की मदद करने वाला होता है। यदि आपके भाई, पिता या पति के कमर पर तिल है, तो इसका मतलब है कि आपके घर में साक्षात लक्ष्मी और देवता का वास है।

लड़कियों के लिए कमर पर तिल का महत्व

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, लड़कियों की कमर पर तिल भी शुभ संकेत देता है, लेकिन इसका स्थान महत्वपूर्ण है। यदि तिल कमर की बाईं तरफ है, तो यह लड़की के लिए भाग्यशाली होता है। ऐसी महिलाएं जीवन में बहुत जल्दी ऊंचा मुकाम हासिल करती हैं। उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहती है। वे अपने परिवार के लिए शुभ मानी जाती हैं और उनके जीवन में खुशियां और सफलता बनी रहती है। शरीर के अन्य अंगों पर तिल का महत्व सामुद्रिक शास्त्र में केवल कमर ही नहीं, बल्कि शरीर के अन्य हिस्सों पर तिल का भी विशेष महत्व बताया गया है। आइए जानते हैं कौन-कौन से अंगों पर तिल होना शुभ होता हैरू

आंख के अंदर तिल

जिन लड़कों की आंख के अंदर तिल होता है, वे बेहद भाग्यशाली माने जाते हैं। ऐसे लोगों का जीवन सुखद और समृद्धि से भरा होता है। इन्हें अपने जीवन में कभी भी आर्थिक तंगी का सामना नहीं करना पड़ता। इनके घर-परिवार में सदा सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। ये लोग अपने परिवार के लिए शुभ होते हैं और उनकी सफलता परिवार की खुशहाली में भी योगदान करती है। ये लोग दूरदर्शी होते हैं और अपने निर्णयों से हर परिस्थिति को अपने पक्ष में कर लेते हैं।

दाएं हाथ पर तिल

लड़कों के दाएं हाथ पर तिल को शुभ माना गया है ऐसे लोग हर क्षेत्र में सफलता पाते हैं, चाहे वह शिक्षा हो, करियर हो या व्यक्तिगत जीवन। वे न केवल मेहनती होते हैं, बल्कि अपनी लगन और प्रतिबद्धता के कारण हर किसी का भरोसा जीत लेते हैं। स्वास्थ्य के मामले में भी ये लोग मजबूत होते हैं और शारीरिक रूप से फिट रहते हैं। ऐसे लोग स्वभाव से सकारात्मक होते हैं और किसी भी समस्या का समाधान ढूंढने में माहिर होते हैं। इनके हाथ का तिल इस बात का संकेत है कि ये लोग अपने जीवन में धन, संपत्ति और सामाजिक सम्मान हासिल करते हैं।

अंगूठे पर तिल

जिन लड़कों के अंगूठे पर तिल होता है, वे बेहद मेहनती और समर्पित होते हैं। ये लोग अपने जीवन में किसी भी कार्य को अधूरा नहीं छोड़ते और अपनी मेहनत से हर मुकाम हासिल करते हैं। इनका भरोसेमंद स्वभाव इन्हें दोस्तों और परिवार में प्रिय बनाता है। ये लोग अपने लक्ष्यों के प्रति गंभीर होते हैं और अपने सपनों को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। इनका तिल इस बात का प्रतीक है कि ये लोग कठिनाइयों से डरते नहीं हैं और हर चुनौती को अवसर में बदलने की क्षमता रखते हैं। साथ ही, ये अपने परिवार और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनते हैं।

बाएं पैर पर तिल

लड़कों के बाएं पैर पर तिल होना भी शुभ माना जाता है। ऐसे लोग आर्थिक रूप से सशक्त होते हैं और जीवनभर धन और संपत्ति का अभाव नहीं झेलते।

इनका स्वभाव उदार होता है और ये दूसरों की मदद करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इन्हें यात्रा करना पसंद होता है और ये अपनी यात्राओं से नए अनुभव और ज्ञान प्राप्त करते हैं। ये लोग अपने परिवार और दोस्तों के लिए भाग्यशाली होते हैं और उनका जीवन खुशहाल और स्थिर रहता है। बाएं पैर पर तिल होने का अर्थ है कि ये लोग संतुलित सोच वाले होते हैं और हर परिस्थिति को समझदारी से संभालते हैं।

तिल और उसका जीवन पर प्रभाव

सामुद्रिक शास्त्र में तिल को भाग्य, धन, और सफलता से जोड़ा गया है। शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर तिल का होना शुभ-अशुभ संकेत देता है। कमर पर तिल होने का अर्थ है कि व्यक्ति जीवन में राजयोग का आनंद ले सकता है। ऐसे संकेत न केवल हमारी किस्मत के बारे में बताते हैं, बल्कि यह भी दशार्ते हैं कि हमारा भविष्य कैसा रहेगा। तिल हमारे व्यक्तित्व और जीवन की दिशा को निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण संकेत हैं। इसलिए सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, तिल को जीवन में सकारात्मकता और सफलता का प्रतीक मानना चाहिए।

इस प्रकार, शरीर के तिल को केवल सौंदर्य का प्रतीक न मानें, बल्कि इसे अपने भाग्य और भविष्य के संकेत के रूप में देखें।

खुद से बात करने वाले लोग पागल नहीं होते हैं इंटेलिजेंट, आप भी सेल्फ टाक कर बनें खुद के दोस्त

आज उठने का मन नहीं है, यार मैं क्या करूं कुछ समझ नहीं आ रहा... इस तरह की बातें आप रोजाना अपने आप से करते ही होंगे। पर आपको ये मालूम है कि खुद से बात करना आपके लिए कितना फायदेमंद है। यह एक एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें आप अपने विचारों, भावनाओं, और योजनाओं पर खुद से संवाद करते हैं। यह मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है। खुद से बातें करना न केवल आत्म-जागरूकता बढ़ाता है, बल्कि तनाव कम करने और बेहतर निर्णय लेने में भी मदद करता है। चलिए जानते हैं इसके और भी फायदे

खुद से बात करने के फायदे

आत्म-जागरूकता बढ़ती हैः अपने विचारों और भावनाओं को समझने का मौका मिलता है। यह जानने में मदद मिलती है कि आप क्या चाहते हैं और क्या नहीं।

तनाव और चिंता कम होती है- खुद से बात करने से दिमाग शांत होता है। यह भावनाओं को व्यक्त करने और नकारात्मक विचारों को दूर करने का जरिया बनता है।

आत्मविश्वास बढ़ता है- खुद को सकारात्मक बातें कहने से आत्मविश्वास बढ़ता है। कठिन परिस्थितियों में भी खुद को संभालने की क्षमता बढ़ती है।

समस्याओं का समाधान मिलता हैः खुद से चर्चा करने से आप अपने मुद्दों को बेहतर तरीके से समझ

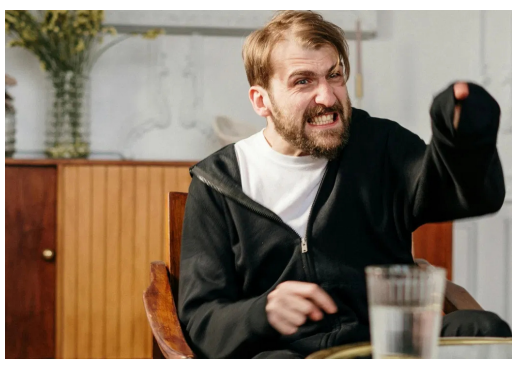

सकते हैं। नए और रचनात्मक समाधान खोजने में मदद मिलती है।

निर्णय लेने में मदद करता हैः खुद से सवाल पूछने और जवाब देने से आप सही निर्णय ले सकते हैं।

भावनाओं को संतुलित करता हैः अपने गुस्से, दुख, और डर को समझने और प्रबंधित करने में मदद करता है।

मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है- यह तनाव, डिप्रेशन, और नकारात्मकता को कम करने में मददगार है।

खुद से बात करने के तरीके

एकांत में समय बिताएं- ऐसी जगह चुनें जहां आप अकेले और शांत महसूस कर सकें। ध्यान, योग, या मेडिटेशन के दौरान खुद से बातें करना सबसे अच्छा तरीका है।

खुद से सवाल पूछें जैसे- मैं इस समय कैसा महसूस कर रहा, रही हूं? आज का दिन कैसा रहा? इस समस्या का समाधान क्या हो सकता है?

आईने के सामने बात करेंः आईने के सामने खड़े होकर खुद से बात करने से आत्मविश्वास बढ़ता है। यह आपको अपनी भावनाओं और विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने में मदद करता है।

अपने विचार लिखेंः जर्नल या डायरी में अपने विचारों और भावनाओं को लिखें। लिखने से आपका दिमाग व्यवस्थित होता है।

ध्यान करेंः ध्यान करने के दौरान अपने अंदर की आवाज को सुनें। खुद को बेहतर तरीके से समझने का यह एक शक्तिशाली तरीका है।

कल्पना करें- अपनी भविष्य की योजनाओं और लक्ष्यों की कल्पना करें। इससे आप अपने उद्देश्य को स्पष्ट रूप से समझ सकते हैं।

नकारात्मकता को चुनौती दें- अगर कोई नकारात्मक विचार आता है, तो खुद से पूछें, ष्क्या यह सही है?ष् खुद को प्रेरित करें और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएं।

खुद से बात करते समय ध्यान देने योग्य बातें

- हमेशा सकारात्मक भाषा का उपयोग करें।
- खुद को नीचा दिखाने वाली बातें न कहें।
- इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं।
- खुद को प्रोत्साहित करने वाले शब्द कहें।

खुद से बातें करना आत्म-विकास और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी है। यह प्रक्रिया आपको आत्म-जागरूक बनाती है, आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती है, और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करती है। इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और अपने जीवन में बदलाव महसूस करें।

पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी ने कर दिया बड़ा खेल, एक सीट के लिए तरसी बीजेपी

पश्चिम बंगाल। नैहाटी में, टीएमसी के सनत डे ने बीजेपी के रूपक मित्रा को लगभग 50,000 वोटों से हराया, जबकि शेख रबीउल इस्लाम ने हरोआ में जीत हासिल की, उन्होंने एआईएसएफ के पियारुल इस्लाम को 1.3 लाख से अधिक

वोटों से हराया। ताकत के शानदार प्रदर्शन में, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने पश्चिम बंगाल विधानसभा उपचुनावों में क्लीन स्वीप हासिल कर लिया है। टीएमसी ने अलीपुरद्वार जिले के महत्वपूर्ण मदारीहाट निर्वाचन क्षेत्र सहित सभी छह सीटों पर जीत हासिल की है। यह जीत टीएमसी के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि मदारीहाट भाजपा का गढ़ रहा है, जहां भाजपा ने 2021 के चुनावों में 29,000 वोटों की बढ़त हासिल की थी।

नसीम ने विक्ट्री साइन दिखाकर जाहिर की खुशी

कानपुर। सीसामऊ उपचुनाव में नसीम सोलंकी ने 8629 वोटों से जीत हासिल की है। उन्होंने नम आंखों से विक्ट्री साइन दिखाकर सभी का अभिभावदन किया। कानपुर की सीसामऊ सीट पर सपा की नसीम सोलंकी ने भाजपा के सुरेश अवस्थी को हरा दिया है। नसीम सोलंकी, पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी हैं। इरफान सोलंकी को ही सजा होने के चलते यह सीट खाली हुई थी। नसीम सोलंकी ने 8629 मतों से भाजपा के सुरेश अवस्थी को हराया है। मतगणना के परिणामों की आधिकारिक घोषणा के बाद नसीम की आंखें नम हो गईं। उन्होंने विक्ट्री साइन दिखाकर सभी का अभिभावदन किया।

दूसरा दिन भारत के नाम

यशस्वी ने एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा छक्के लगाए, राहुल फॉर्म में लौटे

पर्थ । टेस्ट का दूसरा दिन भारत के नाम रहा। टीम इंडिया ने अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए 172 रन बना लिए हैं। फिलहाल केएल राहुल 62 रन और यशस्वी जायसवाल 90 रन बनाकर क्रीज पर हैं। टीम इंडिया की कुल बढ़त अब तक 218 रन की हो चुकी है। भारत ने अपनी पहली पारी में 150 रन बनाए थे, जबकि ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर समाप्त हुई थी। भारत को पहली पारी के आधार पर 46 रन की बढ़त मिली थी। यशस्वी ने अब तक 193 गेंद का सामना किया और अब तक सात चौके और दो छक्के लगाए हैं। वहीं, राहुल ने अब तक 153 गेंद का सामना किया है और चार चौके लगाए हैं। राहुल और यशस्वी ने दिखाया दम आईपीएल 2025 के लिए नीलामी 24 और 25 नवंबर को है। उससे एक दिन पहले केएल राहुल ने दम दिखाया है। वह फॉर्म में लौट चुके हैं। भले ही उन्होंने टेस्ट में रन बनाए, लेकिन राहुल के पास टी20 में काफी रन हैं और अगर उनका आत्मविश्वास जगता है तो वह टी20 और आईपीएल में भी कमाल कर सकते हैं। उन पर नीलामी में बड़ी बोली लग सकती है। वहीं, यशस्वी एक कैलेंडर्स वर्ष में टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। यशस्वी ने अब तक इस कैलेंडर वर्ष में 34 छक्के लगाए हैं। उन्होंने 2014 में न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैकुलम द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ दिया। मैकुलम ने 2014 में 33 छक्के लगाए थे। इन दोनों के बाद बेन स्टोक्स का नाम आता है। उन्होंने 2022 में 26 छक्के लगाए थे। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई। दूसरे दिन कंगारुओं ने सात विकेट पर 67 रन से आगे खेलना शुरू किया और 37 रन बनाने में बाकी तीन विकेट गंवाए। ऑस्ट्रेलिया को शनिवार का पहला झटका एलेक्स कैरी के रूप में लगा। उन्हें बुमराह ने विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। कैरी 21 रन बना सके। इसके बाद नाथन लियोन हर्षित राणा का शिकार हुए। वह पांच रन बना सके। ये दोनों विकेट भारत ने शुरूआती एक घंटे के अंदर ले लिए थे। हालांकि, स्टार्क और जोश हेजलवुड की आखिरी जोड़ी को आउट करने में टीम इंडिया को एक घंटे लगे। स्टार्क और हेजलवुड ने 10वें विकेट के लिए 110 गेंद में 25 रन की साझेदारी की। स्टार्क ने 112 गेंद में दो चौके की मदद से 26 रन बनाए। उन्हें हर्षित ने ही शिकार बनाया। हेजलवुड सात रन बनाकर नाबाद रहे। भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया की शुरूआत खराब रही थी। तीसरे ही ओवर में बुमराह ने नाथन मैकस्वीनी को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। वह 10 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को कोहली के हाथों कैच कराया, फिर अगली ही गेंद पर स्टीव स्मिथ को एल्बीडब्ल्यू आउट किया। ख्वाजा आठ रन और स्मिथ खाता नहीं खोल सके। ट्रेविस हेड को डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाज हर्षित राणा ने क्लीन बोल्ड किया। वह 11 रन बना सके। वहीं, मिचेल मार्श छह रन बनाकर मोहम्मद सिराज का शिकार बने। सिराज ने इसके बाद लाबुशेन को एल्बीडब्ल्यू किया। वह 52 गेंद में दो रन बना सके। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को भारतीय कप्तान बुमराह ने पंत के हाथों कैच कराया। वह तीन रन बना सके। फिलहाल एलेक्स कैरी 19 रन और मिचेल स्टार्क छह रन बनाकर नाबाद हैं। बुमराह के अलावा हर्षित राणा ने तीन विकेट और सिराज ने दो विकेट लिए। भारत की पहली पारी भारत की पहली पारी 150 रन पर सिमट गई थी। टीम इंडिया के 11 बल्लेबाज मिलकर 50 ओवर भी बल्लेबाजी नहीं कर पाए। 49.3 ओवर में पूरी टीम सिमट गई। नीतीश रेड्डी ने सबसे ज्यादा 41 रन बनाए। इसके अलावा ऋषभ पंत ने 37 और केएल राहुल ने 26 रन की पारी खेली। भारत की शुरूआत खराब रही थी। यशस्वी जायसवाल और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए देवदत्त पडिक्कल खाता खोले बिना पवेलियन लौटे। विराट कोहली पांच रन और ध्रुव जुरेल 11 रन बनाकर आउट हुए। वॉशिंगटन सुंदर भी चार रन बना सके। पंत और नीतीश ने सातवें विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी निभाई। इस साझेदारी को कमिंस ने तोड़ा। पंत के आउट होते ही भारतीय पारी 150 रन पर सिमट गई। हर्षित राणा सात रन और बुमराह आठ रन बनाकर आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने चार विकेट लिए। वहीं, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और मार्श को दो-दो विकेट मिले। इसी के साथ चायकाल भी हो गया।

तिलक वर्मा ने बनाया टी20 विश्व रिकॉर्ड, सैयद मुश्ताक अली टूनार्मेंट में बनाए 151 रन

नई दिल्ली। हैदराबाद के कप्तान तिलक वर्मा ने शनिवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में मेघालय के खिलाफ 151 रन की शानदार पारी के दौरान कई रिकॉर्ड तोड़ दिए। तिलक लगातार तीन टी20 शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। उनके द्वारा खेली गई पारी हैदराबाद के सैयद मुश्ताक अली टूनार्मेंट के ओपनिंग मैच में सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में किसी भारतीय बल्लेबाज द्वारा खेली गई सबसे बड़ी पारी भी है। तिलक की 67 गेंदों में 151 रनों की तूफानी पारी की मदद से हैदराबाद ने 248/4 का विशाल स्कोर बनाया। तिलक ने कई रिकॉर्ड भी तोड़े। तिलक का स्कोर अब सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के इतिहास में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर है। उन्होंने श्रेयस अय्यर के 147 को पीछे छोड़ दिया। इस पारी ने उन्हें टी20 मैच में 150 या उससे अधिक रन बनाने वाला पहला भारतीय खिलाड़ी बना दिया। तिलक को क्रिकेट में सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक के रूप में माना जाता है। नंबर तीन पर बल्लेबाजी करते हुए तिलक वर्मा ने मेघालय के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान उन्होंने 14 चौके और 10 छक्के लगाए। उन्होंने 28 गेंदों में अर्धशतक और 51 गेंद में शतक पूरा किया। उनकी पारी ने हैदराबाद को 248/4 के कुल स्कोर तक पहुंचाया, जो सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी इतिहास में सर्वोच्च स्कोर में से एक है।

नवंबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां तीन माह के शीर्ष पर, सेवा उद्योग में सुधार और रिकॉर्ड रोजगार

नई दिल्ली। सेवा क्षेत्र का पीएमआई बढ़कर नवंबर में 59.2 हो गया। अगस्त के बाद से सबसे अधिक है। विनिर्माण क्षेत्र का सूचकांक कम होकर 57.3 पर रहा जो अक्तूबर में 57.3 था। सेवा व विनिर्माण क्षेत्रों के लिए विदेशी मांग में सुधार से निर्यात चार माह के शीर्ष पर रहा। सेवा उद्योग में सुधार और रिकॉर्ड रोजगार पैदा होने से नवंबर में भारत की कारोबारी गतिविधियां तीन माह के शीर्ष पर पहुंच गई। हालांकि, उत्पादन महंगाई 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गई। सर्वेक्षण के अनुसार, चालू त्योहारी तिमाही में आर्थिक विकास में आगे भी वृद्धि होने की संभावना है। इसमें निजी खपत में उछाल के कारण तेजी आने की उम्मीद है। एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक, एचएसबीसी खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) अक्तूबर में 59.1 रहा। नवंबर में बढ़कर 59.2 रहा। पीएमआई में 50 से नीचे का स्तर कारोबार में कमजोरी दर्शाता है। एचएसबीसी के भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा, सेवाओं में वृद्धि व विनिर्माण में मामूली मंदी के बावजूद कारोबारी गतिविधियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। सेवा क्षेत्र का पीएमआई बढ़कर नवंबर में 59.2 हो गया। अगस्त के बाद से सबसे अधिक है। विनिर्माण क्षेत्र का सूचकांक कम होकर 57.3 पर रहा जो अक्तूबर में 57.3 था।

आईपीएल मेगा नीलामी से ठीक पहले युजवेंद्र चहल ने दिखाया दम, नौ रन देकर झटके चार विकेट

मुंबई । लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने आईपीएल 2025 के लिए होने वाली मेगा नीलामी से ठीक पहले सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में अपना दम दिखाया है। चहल ने हरियाणा के लिए खेलते हुए मणिपुर के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। चहल ने मुंबई में खेले गए इस मुकाबले में नौ रन देकर चार विकेट झटके जिससे हरियाणा ने मणिपुर को 19.1 ओवर में 86 रन पर ऑलआउट कर दिया। जवाब में हरियाणा ने 6.4 ओवर में ही दो विकेट पर 90 रन बनाकर मैच जीता। इस मैच में जहां चहल ने गेंदबाजी में एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपना जलवा बिखेरा, जबकि राहुल तेवतिया ने बल्लेबाजी में अपना दम दिखाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए तेवतिया ने 16 गेंदों पर सात चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 43 रनों की पारी खेली और हरियाणा को आठ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। आईपीएल 2025 के लिए सऊदी अरब के शहर जेद्दाह में खिलाड़ियों की नीलामी होनी है। इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी उन

खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा मंच है जो इस नीलामी में अपनी किस्मत आजमाएंगे। इस बार नीलामी में कुल 574 खिलाड़ी उतरेंगे जिनमें से 366 भारतीय और 208 विदेशी खिलाड़ी, जबकि तीन सहयोगी राष्ट्र के हैं। इस बार कुल 330 अनकैप्ड खिलाड़ी भी अपनी अपनी किस्मत आजमाएंगे जिसमें से 318 भारतीय और 12 विदेशी खिलाड़ी हैं। सभी 10 फ्रेंचाइजी 204 खाली स्थानों के लिए बोली लगाएंगी जिसमें से 70 विदेशी खिलाड़ी होंगे। आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज हैं चहल 34 वर्षीय चहल आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज हैं। उन्होंने 160 मैचों में 205 शिकार किए हैं। चहल ने इससे पहले काउंटी में भी अपना प्रभाव छोड़ा था और नॉर्थम्शायर के लिए पिछले दो मैचों में 18 विकेट लिए थे जिसमें से दो बार पांच-पांच विकेट लेना शामिल है। हालांकि, हाल ही में रणजी ट्रॉफी में चहल उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के खिलाफ विकेट नहीं ले पाए थे। राजस्थान रॉयल्स ने किया था रिलीज आईपीएल नीलामी से पहले राजस्थान रॉयल्स ने कुल छह खिलाड़ियों को रिटेन किया था जिसमें चहल का नाम शामिल नहीं था। चहल पिछले कुछ सीजन से राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, लेकिन इस बार वह नीलामी में उतरेंगे। चहल उन आईपीएल फ्रेंचाइजी के निशाने पर होंगे जिन्हें टीम में एक अनुभवी स्पिनर की जरूरत है। चहल आईपीएल इतिहास के प्रभावशाली गेंदबाज रहे हैं और उनके पास काफी अनुभव भी है। चहल कुछ समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि लगातार घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन के बाद फ्रेंचाइजी चहल पर कितना दांव लगाती हैं।

'दम लगाना पड़ेगा', ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने किया परेशान तो भड़के ऋषभ पंत

पर्थ । आखिरी विकेट के लिए मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के बीच 25 रनों की साझेदारी हुई। दोनों ने भारतीय गेंदबाजों को खासा परेशान किया। इस दौरान पंत को भारतीय खिलाड़ियों को एक खास सलाह देते सुना गया। भारतीय टीम के स्टार विकेटकीपर ऋषभ पंत अपने मस्ती भरे अंदाज के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हैं। उन्हें अक्सर विकेट के पीछे से खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते देखा जाता है। ऐसा ही कुछ शनिवार को युवा खिलाड़ी ने किया। उन्होंने भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया मैच के दूसरे दिन कुछ ऐसा कहा जो अब चर्चा का विषय बन गया है। पंत ने भारतीय खिलाड़ियों को दी खास सलाह दरअसल, आखिरी विकेट के लिए मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड के बीच 25 रनों की साझेदारी हुई। दोनों ने भारतीय गेंदबाजों को खासा परेशान किया। इस दौरान पंत को भारतीय खिलाड़ियों को एक खास सलाह देते सुना गया। उन्होंने कहा- ढीले पड़के नहीं काम चलेगा भाई! थोड़ा माहौल बनाना पड़ेगा। लगाना थोड़ा! दम लगाना पड़ेगा भाई! ऑस्ट्रेलिया ने हासिल की 46 रन की बढ़त स्टार्क ने पहली पारी में 112 गेंदों का सामना किया और 26 रन बनाए। वहीं, हेजलवुड सात रन बनाकर नाबाद रहे। दूसरे दिन कंगारुओं ने सात विकेट पर 67 रन से आगे खेलना शुरू किया और 37 रन बनाने में बाकी तीन विकेट गंवाए। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने अपनी पहली पारी में 150 रन बनाए थे।

'भारत को अपनी छवि जिम्मेदार पूंजीवादी देश वाली बनानी चाहिए', निर्मला सीतारमण ने कही यह बात

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारत को एक ₹जिम्मेदार पूंजीवादी₹ राष्ट्र के रूप में ब्रांडिंग करने का आान किया है, जिसमें पूंजीवाद की सीमाओं के बारे में देश की गहरी समझ पर जोर दिया गया है। इंडिया फाउंडेशन की ओर से आयोजित 8वें इंडिया आइडियाज कॉन्क्लेव में बोलते हुए, सीतारमण ने टिकाऊ जीवन और जिम्मेदार उपभोग के भारत के पारंपरिक मूल्यों पर बात की। उन्होंने कहा, ₹यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी जरूरत के अनुसार उपयोग करें न कि अपने लालच के अनुसार। हमें समझना चाहिए कि पूंजीवाद की अपनी सीमाएं हैं और हमें भारत को एक 'जिम्मेदार पूंजीवादी' देश के रूप में ब्रांड करने की जरूरत है।

लाओस में घूमने आए छह विदेशी पर्यटकों की दूषित शराब पीने से मौत

सरकार बोली- मामले की जांच जारी

बैंकॉक । मरने वालों में तीन महिलाएं और एक ब्रिटिश वकील शामिल हैं। अब तक दो डेनिश यात्रियों, 19 साल की दो ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं और 28 साल की ब्रिटिश महिला सिमोन व्हाइट की मौत हो गई है। एशियाई देश लाओस में एक के बाद एक पर्यटकों की मौत की खबर सामने आई है। यहां खराब शराब पीने से छह पर्यटकों की मौत हो चुकी है। कुछ रिपोर्ट्स में ये सामने आया है कि पर्यटकों ने मेथनॉल युक्त इंजेक्शन लिया था, जिसका इस्तेमाल कभी-कभी बार इथेनॉल (शराब) के सस्ते विकल्प के रूप में करते हैं। अब लाओस सरकार ने वांग विएंग में हुई विदेशी पर्यटकों की मौत पर दुख जताया है। इन देशों के लोगों की गई जान मरने वालों में तीन महिलाएं और एक ब्रिटिश वकील शामिल हैं। अब तक दो डेनिश यात्रियों, 19 साल की दो ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं और 28 साल की ब्रिटिश महिला सिमोन व्हाइट की मौत हो गई है। वे लाओस के वांग विएंग शहर में एक बार में गए थे। यह लोग करीब एक दर्जन विदेशियों के समूह में शामिल थे, जो बीमार पड़ गए और उन्हें 12 नवंबर के तुरंत बाद अस्पताल ले जाया गया। हाल ही में हुई होली बाउल्स की मौत लाओस के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि वह मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता है। साथ ही यह भी बताया कि मामले की जांच जारी है। इस मामले में ताजा मौत 19 वर्षीय ऑस्ट्रेलियाई

होली बाउल्स की शुक्रवार को हुई। उनका बैंकॉक अस्पताल में इलाज चल रहा था। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने पुष्टि की थी। दोनों ऑस्ट्रेलियाई युवती 13 नवंबर की रात लाओस के वांग विएंग के एक हॉस्टल में अपने ग्रुप के साथ पार्टी कर रही थीं। वहां 21 नवंबर को होली बाउल्स की दोस्त बियांका जोन्स की मौत की वे शराब पीने के बाद बीमार पड़ गईं। उन्हें इलाज के लिए थाईलैंड के एक अस्पताल ले जाया गया था। इस पूरी घटना को लेकर कैनबरा लाओस के अधिकारियों पर पूरी सच्चाई सामने लाने के लिए दबाव डाल रहा है। पार्टी और एडवेंचर के लिए मशहूर लाओस द मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिण-पूर्व एशिया में लाओस एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यहां बड़ी संख्या में लोग घूमने आते हैं। खास तौर पर वांग विएंग में पार्टी और एडवेंचर स्पोर्ट्स की चाहत रखने वाले बैकपैकर्स की भरमार है। लाओस की पुलिस ने छह लोगों की मौत के सिलसिले में नाना बैकपैकर हॉस्टल के प्रबंधक और मालिक को हिरासत में लिया था। हालांकि, अब तक कोई आरोप दायर नहीं किया गया है। क्या है मिथाइल एल्कोहल? मेथनॉल या मिथाइल एल्कोहल एक ऐसा रंगहीन रसायन है जो अवैध शराब में पाया जाता है। इसका इस्तेमाल आमतौर पर औद्योगिक उत्पादों, जैसे पेंट थिनर, रंग और स्याही में किया जाता है। इसकी थोड़ी सी मात्रा भी इंसानों को अंधा बना सकती है। इससे शरीर के कई अंग खराब हो सकते हैं और मौत भी हो सकती है। मेथनॉल युक्त पेय पदार्थ लंबे समय से पूरे दक्षिण पूर्व एशिया देशों, खासकर मेकांग नदी के किनारे बसे गरीब देशों में एक बड़ा मुद्दा रहा है। इन देशों की सरकारों ने शराब को लेकर कई बार चेताया है लेकिन अभी भी लोगों में जागरूकता नहीं आई है।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सांप्रदायिक हिंसा, घरों को नुकसान पहुंचा

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में अलीजई और बागान कबीलों के बीच झड़पें गुरुवार को यात्री वाहनों के काफिले पर हमले के बाद हुई। वहीं, बालिशेल, खार काली, कुंज अलीजई और मकबाल में भी गोलीबारी जारी है। पाकिस्तान से एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पिछले 24 घंटे में सांप्रदायिक हिंसा में कम से कम 18 लोगों की मौत हो गई। जबकि 30 अन्य घायल हुए हैं। वाहनों के काफिले पर हमले के बाद हुई झड़प पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे कुर्रम जिले में अलीजई और बागान कबीलों के बीच झड़पें गुरुवार को यात्री वाहनों के काफिले पर हमले के बाद हुईं। इसमें उग्रवादियों ने 47 लोगों की हत्या कर दी थी। वहीं, बालिशेल, खार काली, कुंज अलीजई और मकबाल में भी गोलीबारी जारी है। लोग भारी हथियारों से एक-दूसरे को निशाना बना रहे हैं। 30 लोग हुए घायल झड़पों में अब तक 18 लोगों की मौत हो चुकी है और 30 लोग घायल हो गए हैं। स्वतंत्र और मीडिया सूत्रों ने झड़पों में 30 से अधिक लोगों के मारे जाने की खबर दी है। झड़प में घरों और दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। विभिन्न गांवों के लोग सुरक्षित स्थानों पर भाग गए हैं। निजी शिक्षा नेटवर्क के अध्यक्ष मुहम्मद हयात हसन ने पुष्टि की कि बिगड़ती स्थिति के कारण, जिले के सभी शैक्षणिक संस्थान शनिवार को बंद रहे। इससे पहले 47 लोगों की हुई थी मौत अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को बागान, मंदूरी और ओछाट में 50 से अधिक यात्री वाहनों पर गोलीबारी की गई। गोलीबारी में छह वाहन सीधे तौर पर चपेट में आ गए।

विधायकों के घरों में तोड़फोड़- आगजनी के मामले में दो और गिरफ्तार

इंफाल। पुलिस ने बताया कि वे इनपुट की जांच कर रहे हैं और 16 नवंबर को इंफाल घाटी में विधायकों के घरों में हमला करने वाले अतिरिक्त संदिग्धों की भी तलाश जारी है। एक अधिकारी ने कहा कि विधायकों के घरों तोड़फोड़ और आगजनी मामले की जांच की जा रही है। मणिपुर के इंफाल घाटी में 16 नवंबर को विधायकों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी के मामले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसी के साथ इस मामले में गिरफ्तार किए गए लोगों की संख्या 34 हो गई। पुलिस ने बताया कि वे इनपुट की जांच कर रहे हैं और 16 नवंबर को इंफाल घाटी में विधायकों के घरों में हमला करने वाले अतिरिक्त संदिग्धों की भी तलाश जारी है। घरों तोड़फोड़ और आगजनी मामले की

एक अधिकारी ने कहा कि विधायकों के जांच की जा रही है। मणिपुर सरकार ने शनिवार को राज्य के सात जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का निलंबन भी दो दिनों के लिए बढ़ा दिया। राज्य में जारी हिंसा को देखते हुए प्रशासन ने 16 नवंबर को दो दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी थी। इसके बाद से कई बार समयसीमा को बढ़ाया जा चुका है। गृह मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। गृह मंत्रालय ने कहा, राजिय सरकार ने मौजूदा कानून और व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद अगले दो दिनों के लिए पश्चिमी और पूर्वी इंफाल, काकचिंग, बिष्णुपुर, थौबल, चुराचांदपुर और कांगपोकपी में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का निलंबन जारी रखने का फैसला किया है। पिछले सप्ताह तीन महिलाओं और तीन बच्चों के लापता होने के कुछ दिन बाद उनका शव मिलने से राज्य में एक बार फिर हिंसा भड़क गई। हिंसा भड़कने के बाद भीड़ ने विधायकों के घरों को निशाना बनाया और उसमें तोड़फोड़ करने लगे। इस दौरान कई विधायकों की संपत्तियों को आग के हवाले कर लिया और फर्नीचरों को लूट लिए। बता दें कि पिछले साल मई से इंफाल घाटी के मैतेई और आसपास की पहाड़ियों पर स्थित कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 200 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

इमरान की पार्टी के प्रदर्शन को कुचलने में जुटी शहबाज सरकार

इस्लामाबाद में लगाईं नई पाबंदियां

इस्लामाबाद। पूर्वप्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पिछले हफ्ते 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन का आान किया था, ताकि सरकार पर दबाव डाला जा सके और उनके जेल में बंद नेता को रिहा किया जा सके। पीटीआई के 24 नवंबर को इस्लामाबाद में होने वाले विरोध प्रदर्शन से पहले राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पाकिस्तान के अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी इस्लामाबाद में सख्ती बढ़ा दी है। यहां अधिकारियों ने आज से ही इस्लामाबाद के प्रमुख प्रवेश मार्गों को बंद करना शुरू कर दिया। पीटीआई के विरोध प्रदर्शन से पहले इस्लामाबाद में सख्ती पाकिस्तान में यह कदम तब उठाया गया है जबकि पीटीआई ने जेल में बंद अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। यहां राष्ट्रीय मोटरवे और राजमार्ग प्राधिकरण ने मरम्मत कार्य का हवाला देते हुए एम-1 और एम-2 मोटरमार्गों के साथ-साथ अन्य प्रमुख मार्गों को बंद करने की घोषणा की है। बता दें कि पेशावर और लाहौर को इस्लामाबाद से जोड़ने वाले एम-1 और एम-2 महत्वपूर्ण मार्ग हैं। इनका इस्तेमाल अक्सर प्रदर्शनकारी राजधानी की ओर जाने के लिए करते हैं। पूर्व प्रधानमंत्री

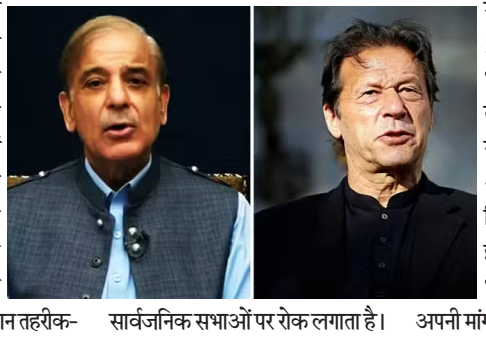

इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने पिछले हफ्ते 24 नवंबर को विरोध प्रदर्शन का आान किया था, ताकि सरकार पर दबाव डाला जा सके और उनके जेल में बंद नेता को रिहा किया जा सके। इमरान एक साल से ज्यादा समय से जेल में बंद हैं। शहबाज शरीफ सरकार ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए इस्लामाबाद में धारा 144 लागू कर दी है। यह ब्रिटिश काल का कानून है, जो सार्वजनिक सभाओं पर रोक लगाता है। इतना ही नहीं, सुरक्षा बढ़ाने के लिए संघीय सरकार ने राजधानी में व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस की सहायता के लिए अर्धसैनिक रेंजर्स और फ्रंटियर कोर (एफसी) के जवानों को भी बुलाया है। इसके साथ ही शुक्रवार को इस्लामाबाद के सभी छात्रावासों को भी खाली करा दिया गया है। पंजाब प्रांत में भी लागू हुई धारा 144 वहीं दूसरी ओर पंजाब में भी सरकार ने 23 नवंबर से 25 नवंबर तक पूरे प्रांत में धारा 144 लागू कर दी है। इस दौरान विरोध प्रदर्शनों, सार्वजनिक समारोहों, रैलियों और धरने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इसी तरह इस्लामाबाद में 18 नवंबर से धारा 144 लागू है। पीटीआई अपनी मांग पर अड़ी वहीं, इमरान खान की पार्टी पीटीआई अपनी मांगों को लेकर सरकार पर लगातार दबाव बना रही है। तमाम प्रतिबंधों के बावजूद पीटीआई विरोध मार्च करने पर अड़ी हुई है। गौरतलब है कि इमरान खान को 2022 में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए पीटीआई सरकार बर्खास्त होने के बाद से कई मामलों में आरोपी बनाया गया है। वह पिछले साल से रावलपिंडी की अदियाला जेल में 200 से अधिक मामलों का सामना कर रहे हैं; उनमें से कुछ में जमानत मिल गई, कुछ में दोषी ठहराया गया और कुछ पर सुनवाई चल रही है। बुशरा बीवी के वीडियो संदेश के बाद नया विवाद शुरू वहीं, दूसरी ओर जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी द्वारा मित्र देश सऊदी अरब पर दिए बयान के बाद विवाद शुरू हो गया है। बुशरा बीबी ने कहा था कि उनके पति की समस्याएं सऊदी अरब की यात्रा के बाद शुरू हुईं। हालांकि, इमरान खान ने अपनी पत्नी का बचाव किया। उन्होंने कहा कि बीबी ने सऊदी अरब का बिल्कुल भी जिक्र नहीं किया।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, सम्पादक राजीव कुमार के लिए शिवम ऑफसेट अशोक नगर भरथना रोड इटावा उत्तर प्रदेश से छपकर इटावा से प्रकाशित सम्पादक राजीव कुमार संपर्क सूत्र 9219240048
नोट अखबार में प्रकाशित समस्त रचनाओं के विचार व दायित्व लेखीय है सम्पादक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है इटावा एक्सप्रेस अखबार से संबंधित सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र इटावा उत्तर प्रदेश रहेगा
शीर्षक कोड UPHIN50151. Email etawahexpress24@gmail.com , Website. www.etawahexpress.com